Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 165
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार,14 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

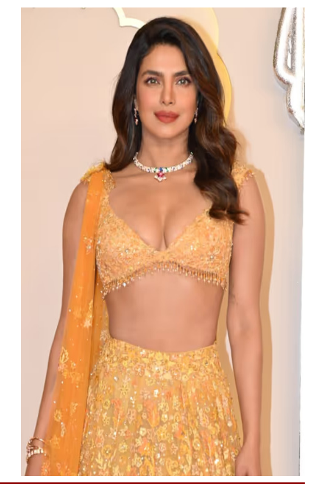

3 म्यूजिक टीचर को नान-टीचिंग स्टाफ मानते है निजी | 4 लड़ाई-लड़ाई माफ करो! ट्रंप ने मानी हार, सबसे | 8 'ईरान में महिलाओं की स्वतंत्रता पर संकट'

इंटेंट, टेक्नोलॉजी और अकाउंटेबिलिटी के समन्वय से आ रहे हैं ठोस परिणाम

प्रगति नए भारत की कार्यसंस्कृति का प्रतीक-सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन प्रगति केवल बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की समीक्षा का मंच नहीं बल्कि नए भारत की नई कार्यसंस्कृति का सशक्त उदाहरण है। विशेष प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति प्रशासनिक मॉडल को दशार्ता है, जिसकी नींव आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए रखी और 2014 के बाद इसे राष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ किया। प्रगति ने यह सिद्ध किया है कि जब इंटेंट, टेक्नोलॉजी, अकाउंटेबिलिटी एक साथ आती हैं, तो आउटकम अपने आप सुनिश्चित हो जाते हैं। डिजिटल गवर्नेंस और कोऑपरेटिव फेडरलिज्म को मजबूती देते हुए प्रगति एक ऐसा प्लेटफॉर्म बना है, जहां अंतर-मंत्रालयीय और अंतर-विभागीय समन्वय के माध्यम से जटिल समस्याओं का समयबद्ध समाधान संभव हुआ है।मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रगति मॉडल की अवधारणा वर्ष 2003 में गुजरात में स्वागत स्टेट वाइड अटेंशन ऑन ग्रीवांसेज बाई एप्लिकेशन ऑफ टेक्नोलॉजी के रूप में प्रारंभ हुई थी, जिसका उद्देश्य नागरिक शिकायतों के निवारण में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना था। यही मॉडल आगे चलकर प्रगति के राष्ट्रीय स्वरूप के रूप में विकसित हुआ, जिसने मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं, सामाजिक योजनाओं और सिस्टम रिफॉर्म के क्षेत्र में टीम इंडिया अप्रोच को मजबूती प्रदान की। प्रगति केवल एक रिव्यू मैकेनिज्म नहीं बल्कि गवर्नेंस रिफॉर्म है। इसने शासन को फाइल-केंद्रित संस्कृति से फील्ड-आधारित परिणामों की दिशा में अग्रसर किया है। इसके माध्यम से निर्णय प्रक्रिया तेज हुई है, समय और लागत की बबार्दी रुकी है तथा केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय के साथ-साथ स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित हुई है।राष्ट्रीय स्तर पर प्रगति के प्रभाव का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके माध्यम से घ्86 लाख करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को गति मिली है। 377 प्रमुख परियोजनाओं की प्रत्यक्ष समीक्षा प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है, जबकि 3162 में से 2958 मुद्दों का समाधान किया जा चुका है, जो शासन की विश्वसनीयता को दशार्ता है।उत्तर प्रदेश के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति मॉडल राज्य के लिए एक गेम-चेंजर सिद्ध हुआ है। उत्तर प्रदेश आज देश के प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ इंजन के रूप में उभरा है। एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, देश का सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क, सर्वाधिक शहरों में मेट्रो और एयर कनेक्टिविटी, देश की पहली रैपिड रेल, अंतर्देशीय जलमार्ग और रोपवे जैसे प्रोजेक्ट समयबद्ध ढंग से आगे बढ़े हैं, जिनके पीछे निरंतर समीक्षा और समस्या-समाधान का प्रभावी मंच प्रगति रहा है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के पास 10.48 लाख करोड़ की 330 परियोजनाओं के साथ देश का सबसे बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर पोर्टफोलियो है। परिवहन, ऊर्जा, शहरी विकास, स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास से जुड़े प्रमुख प्रोजेक्ट शामिल हैं।इनमें से 2.37 लाख करोड़ की लागत की 128 परियोजनाएं 39 प्रतिशत पहले ही पूर्ण होकर कमीशन हो चुकी हैं।

दो क्विंटल गेंदे के फूलों से सजाया आदिबदरी मंदिर

मकर संक्रांति पर खुलेंगे कपाट

आदिबदरी (एजेंसी)। कपाटोद्घाटन महाभिषेक समारोह की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। मंदिर को दो क्विंटल गेंदे के फूलों से सजाया जा चुका है। आदिबदरी मंदिर के कपाट वैदिक परंपराओं के अनुरूप 14 जनवरी को सुबह साढ़े पांच बजे श्रद्धालुओं के दर्शनाथ खोल दिए जाएंगे। कपाटोद्घाटन के लिए मंदिर को समिति ने भव्य रूप से सजाया है। साथ ही अन्य तैयारियां भी पूरी कर दी हैं। मंदिर समिति के अध्यक्ष जगदीश बहुगुणा ने बताया कि कपाटोद्घाटन महाभिषेक समारोह की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। मंदिर को दो क्विंटल गेंदे के फूलों से सजाया जा चुका है। गढ़वाल राइफल्स कीर्तन मंडप में व्यास मंच का निर्माण किया गया है। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट महाभिषेक समारोह का शुभारंभ करेंगे। प्रथम दिन महिला मंगल दल धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे। चंडिका देवी के निशान कल करेंगे गंगा स्नान जिलासू की चंडिका देवी की दिवारा यात्रा ने मंगलवार को नगर भ्रमण किया। बुधवार सुबह देवी के निशान संगम पर गंगा स्नान करेंगे। सोमवार रात को मुख्य बाजार में प्रवास के बाद मंगलवार सुबह श्रद्धालुओं ने देवी की पूजा की। इस दौरान देवी देवताओं के पश्वा अवतरित हुए और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। इस दौरान पुजारी द्वारिका प्रसाद, आयोजक समिति के अध्यक्ष दिलबर चौहान, सचिव ईश्वर राणा, सुखदेव चौहान, राजा चौहान, कमलेश गैरोला, हरीश चौहान और कुलदीप चौहान आदि मौजूद थे।

यूपी एमएलए अब्बास अंसारी को एससी से सशर्त जमानत

नई दिल्ली(एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के गिरोहबंद अधिनियम के तहत एक मामले में विधायक अब्बास अंसारी को अंतरिम जमानत देने के अपने पूर्व आदेश की पुष्टि की। अंसारी दिवंगत गैंगस्टर मुख्तार अंसारी के बेटे हैं। चित्रकूट जिले के कोतवाली कर्वी थाने में 31 अगस्त, 2024 को उत्तर प्रदेश गिरोहबंद और समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 के तहत अंसारी और अन्य के खिलाफ जबरन वसूली और मारपीट के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पिछले साल सात मार्च को शीर्ष अदालत ने अंसारी को इस मामले में छह सप्ताह की अंतरिम जमानत दी थी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जे. बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने मंगलवार को अंसारी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अधिवक्ता निजाम पाशा की दलीलों पर गौर किया तथा मामले में पहले दी गई अंतरिम जमानत को नियमित कर दिया। मार्च 2025 में शीर्ष अदालत से मिली राहत ने अंसारी की कासगंज जेल से रिहाई का रास्ता साफ कर दिया है। उनके खिलाफ अन्य सभी आपराधिक मामलों में उन्हें जमानत मिल चुकी है। पीठ ने कुछ शर्तें लगाई थीं और बाद में उनमें से कुछ में ढील दी थी, जिनमें यह शर्त भी शामिल थी कि वह जांच अधिकारी की अनुमति के बिना लखनऊ नहीं छोड़ सकते।

दिल्ली के जिम में हुई ताबड़तोड़ फायरिंग

नई दिल्ली(एजेंसी)। बाहरी दिल्ली के पश्चिम विहार स्थित एक जिम में अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी की जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। घटना सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात में हुई। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने कथित तौर पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए गोलीबारी की जिम्मेदारी ली है। पोस्ट के अनुसार, जिम को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि गिरोह द्वारा जिम के मालिक को किए गए फोन का कोई जवाब नहीं मिला था। पुलिस ने कहा कि वे पोस्ट की प्रामाणिकता की पुष्टि कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आर के जिम में हुई गोलीबारी की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और इलाके को घेर लिया। उन्होंने बताया कि सबूत जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, मौके से एक कारतूस बरामद किया गया है।

अब 10 मिनट में डिलीवरी बंद, सरकार ने टाइम लिमिट की शर्त हटाई

नई दिल्ली(एजेंसी)। देशभर के गिग वर्कर्स की हड़ताल आज सफल हुई। सरकार ने डिलीवरी बॉय की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। सरकार के दखल के बाद ऑनलाइन ऑर्डर्स से 10 मिनट डिलीवरी का नियम हटा लिया है। श्रम मंत्री मनसुख मांडविया के हस्तक्षेप के बाद ब्लिंकिट ने अपने सभी ब्रांड से 10 मिनट में डिलीवरी का दावा हटा दिया है। इस मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री ने ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विगी और जोमैटो के अधिकारियों से बातचीत की थी. बैठक में डिलीवरी पार्टनर्स की सुरक्षा को प्राथमिकता देने और समय सीमा हटाने की बात कही गई थी। सरकार ने कंपनियों को स्पष्ट संदेश दिया कि तेज डिलीवरी के दबाव में डिलीवरी बॉय की जान जोखिम में नहीं पड़नी चाहिए। इसके बाद सभी कंपनियों ने आश्वासन दिया कि वे अपने ब्रांड विज्ञापनों और सोशल मीडिया पोस्ट से डिलीवरी की समय सीमा हटाएंगी। 10 मिनट की टाइम लिमिट के चलते डिलीवरी बॉय पर तेज डिलीवरी का दबाव बढ़ रहा था।

भारत ने संभाली ब्रिक्स 2026 की कमान, विदेश मंत्री ने लॉन्च किये आधिकारिक लोगो व वेबसाइट

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत ने मंगलवार को 10 देशों के समूह श्ब्रिक्सश की अध्यक्षता औपचारिक रूप से संभालते हुए वर्ष 2026 के लिए आधिकारिक लोगो और वेबसाइट लॉन्च की। इस वर्ष के अंत में भारत 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कमल के आकार वाले लोगो और वेबसाइट का शुभारंभ करते हुए कहा कि भारत अपनी अध्यक्षता और इस लोगो के माध्यम से मानवता प्रथम और जन-केंद्रित दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान भारत का प्रयास ब्रिक्स देशों की क्षमता को वैश्विक कल्याण के लिए एकजुट करना होगा। डॉ. जयशंकर ने कहा, जब भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने की तैयारी कर रहा है, तो यह इस समूह की यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने कहा कि 2026 में ब्रिक्स अपनी स्थापना के 20 वर्ष पूरे कर लेगा। इन वर्षों

में यह समूह उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग के एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने कहा, बीते सालों में ब्रिक्स ने बदलती वैश्विक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अपने एजेंडे और सदस्यता का विस्तार किया है। साथ ही आम जनता को केंद्र में रखने वाला विकास इस समूह की प्राथमिकता रहा है, जिससे बातचीत और व्यावहारिक सहयोग को बढ़ावा मिला है। डॉ जयशंकर ने कहा कि वर्तमान वैश्विक वातावरण जटिल और परस्पर जुड़ी चुनौतियों, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक विषमताओं, जलवायु जोखिमों और तकनीकी परिवर्तनों से घिरा है। ऐसे में ब्रिक्स एक महत्वपूर्ण मंच बना हुआ है जो अलग-अलग समय पर अलग-अलग देशों की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए संवाद, सहयोग और व्यावहारिक समाधानों को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने लोगो की विशेषता बताते हुए कहा कि इसमें परंपरा और आधुनिकता का समावेश है। इसकी पंखुड़ियों में सभी ब्रिक्स सदस्य देशों के झंडों के रंग शामिल हैं, जो विविधता में एकता और साझा उद्देश्य की भावना को दशार्ते हैं। उन्होंने कहा कि यह लोगो इस बात का प्रतीक है कि जहां ब्रिक्स की ताकत उसके सदस्यों के साझे योगदान से आती है, वहीं उनकी निजी पहचान का भी सम्मान किया जाता है।

'सनातन धर्म को मिटाना आसान नहीं, ये सूरज और चांद की तरह अमर'

सोमनाथ मंदिर को लेकर बोले शाह

गांधीनगर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को गांधीनगर में कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान शाह ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण और इस पर बार-बार हमले का जिक्र किया और कहा कि सोमनाथ मंदिर को मिटाने वाले मिट गए, लेकिन मंदिर आज भी पूरे गर्व के साथ खड़ा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि भारत के सनातन धर्म, संस्कृति, लोगों की आस्था को खत्म करना आसान नहीं है। अमित शाह ने सोमनाथ मंदिर के बीती सदियों में बार-बार तोड़े जाने और 16 बार पुनर्निर्माण का हवाला दिया। शाह ने कहा कि जिन लोगों ने सोमनाथ मंदिर पर हमले किए, वो मिट गए, लेकिन मंदिर आज भी उसी जगह

पर पूरे गर्व के साथ खड़ा है। 'सनातन धर्म, सूरज और चांद की तरह शाश्वत और अमर' अमित शाह गुजरात दौरे पर हैं। मंगलवार को अमित शाह ने गांधीनगर में 267 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। शाह ने कहा, '16 बार तबाह किए जाने के बावजूद सोमनाथ मंदिर 1000 साल बाद भी पूरे गर्व और सम्मान के साथ खड़ा है और इसके शीर्ष पर धर्मध्वजा लहरा रही है।' गृह मंत्री ने कहा, 'ये पूरी दुनिया के लिए संदेश है कि भारत के सनातन धर्म, संस्कृति और लोगों की आस्था को मिटाना आसान नहीं है। यह चांद और सूरज की तरह शाश्वत और अमर है। सोमनाथ मंदिर भारत की आस्था, विश्वास और गर्व का प्रतीक है।' पीएम मोदी ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का शुभारंभ किया बीती 11 जनवरी को पीएम मोदी ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का शुभारंभ किया था। यह पर्व सोमनाथ मंदिर पर महमूद गजनी के हमले और मंदिर के पुनर्निर्माण के 1000 हजार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। महमूद गजनी ने साल 1026 में सोमनाथ मंदिर पर हमला किया था। केंद्रीय गृह मंत्री ने बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सोमनाथ मंदिर के भव्य कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पूरे सालभर देश में मनाया जाएगा। इस दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और लोगों को जागरूक किया जाएगा। 'मंदिर पर हमला हमारी आस्था पर हमला था' शाह ने कहा, 'एक हजार साल पहले महमूद गजनी ने सोमनाथ मंदिर पर हमला किया और इसे तोड़ा।

टीएमसी का डिजिटल वार, अभिषेक बनर्जी बोले

बीजेपी के सूचना युद्ध का जवाब दें युवा, बनें बंगाल के डिजिटल योद्धा

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के बहुआयामी, लगातार और सोचे-समझेष्हमले का मुकाबला करने के लिए एक आक्रामक, समन्वित डिजिटल अभियान चलाने का आह्वान किया है और युवाओं से इस तरह के श्सूचना युद्ध में राज्य के अग्रिम पंक्ति के रक्षक बनने की अपील की। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने एबीडीजे कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा लोकतांत्रिक संस्थानों का राजनीतिकरण कर रही है और सोशल मीडिया ट्रोल सेनाओं तथा ष्गोदी मीडिया के एक आज्ञाकारी वर्ग के माध्यम से बंगाल के खिलाफ लगातार बदनामी अभियान चला रही है। अभिषेक बनर्जी ने कहा, आज लोकतांत्रिक संस्थानों का राजनीतिकरण हो गया है। उन्हें बंगाल को बदनाम करने और राष्ट्रीय दर्शकों के सामने हमारी उपलब्धियों को बदनाम करने के एक ही एजेंडे के उपकरणों में बदल दिया गया है। बंगाल पर भाजपा

का हमला लगातार और सोची-समझी रणनीति के तहत है। हमारी प्रतिक्रिया भी उतनी ही व्यापक, समन्वित और जोरदार होनी चाहिए। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि लापरवाही महंगी पड़ सकती है। उन्होंने डिजिटल स्पेस को असुरक्षित छोड़ने के खिलाफ चेतावनी देते हुए तर्क दिया कि अनियंत्रित गलत सूचना जनमत पर अपरिवर्तनीय रूप से गंभीर असर डाल सकती है और उस उपलब्धि को कमजोर कर सकती है जिसे हमने इतनी मेहनत से वापस पाने के लिए संघर्ष किया है। इसलिए बंगाल के युवाओं को अब यह जिम्मेदारी लेनी होगी। एबीडीजे कॉन्क्लेव ने मुझे अपार गर्व और आशा से भर दिया।

गुजरात हाइकोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज की

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात हाइकोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुजरात यूनिवर्सिटी डिग्री से जुड़े मानहानि मामले में आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी। केजरीवाल ने इस मामले में पार्टी नेता संजय सिंह से अलग ट्रायल चलाने की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार करने से इनकार कर दिया। जस्टिस एमआर मेंगदे ने मंगलवार को आदेश सुनाते हुए कहा कि यह याचिका खारिज की जाती है। हालांकि, कोर्ट के आदेश की पूरी प्रति आना बाकी

है। हाइकोर्ट ने इस मामले में अपना फैसला पिछले महीने सुरक्षित रख लिया था। केजरीवाल ने कहा था-आरोप अलग-अलग घटनाओं से जुड़े केजरीवाल ने याचिका में कहा था कि उन पर साजिश रचने या आपराधिक इरादे को बढ़ावा देने का कोई आरोप नहीं है। उनके और संजय सिंह के खिलाफ लगाए गए आरोप अलग-अलग घटनाओं से जुड़े हैं। दोनों ने अलग-अलग तारीखों पर बयान दिए अलग-अलग वीडियो जारी किए और दोनों के सोशल मीडिया अकाउंट भी अलग-अलग हैं। इसलिए दोनों का एक साथ ट्रायल करना सही नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार अधिनियम की धारा 17। की वैधता पर सुनाया खंडित फैसला, जानें जजों की राय

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने लोकसेवकों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जांच शुरू करने से पहले अनुमति लेने से संबंधित, भ्रष्टाचार रोधी कानून की 2018 की धारा की संवैधानिक वैधता पर मंगलवार को खंडित निर्णय सुनाया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए असंवैधानिक है और इसे रद्द किया जाना चाहिए जबकि न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन ने धारा को संवैधानिक मानते हुए ईमानदार अधिकारियों की सुरक्षा की जरूरत पर जोर दिया। साल 2018 में जोड़ी गई भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के

तहत सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना किसी लोकसेवक पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। उच्चतम न्यायालय ने गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (सीपीआईएल) की जनहित याचिका (पीआईएल) पर यह निर्णय सुनाया है, जिसमें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संशोधित धारा 17ए की वैधता को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि पूवार्नुमति की आवश्यकता भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के विरुद्ध हैय इससे जांच में रुकावट आती है और भ्रष्ट अधिकारियों को बचने का मौका मिल जाता है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने कहा, धारा 17ए असंवैधानिक है और इसे रद्द किया जाना चाहिए।

'सिर्फ आईटी से नहीं चलेगा काम , चीन से मुकाबला करना है तो बनना होगा विनिर्माण हब' :राहुल

नीलगिरी (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को तमिलनाडु के नीलगिरी में छात्रों को संबोधित करते हुए देश की शिक्षा व्यवस्था और रोजगार की चुनौतियों पर खुलकर बात की। उन्होंने चेतावनी दी कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के आने से भारत का मजबूत सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेक्टर मुश्किल में पड़ सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर भारत को चीन से मुकाबला करना है, तो हमें सिर्फ सर्विस सेक्टर पर निर्भर रहने के बजाय विनिर्माण क्षेत्र में भी अपनी ताकत बढ़ानी होगी। क्या बोले राहुल गांधी? राहुल गांधी ने कहा,

हमने आईटी सेक्टर और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में बहुत अच्छा काम किया है। इंफोसिस जैसी कंपनियों की सफलता हम सब जानते हैं। लेकिन अब एआई की वजह से यह इंडस्ट्री मुश्किल में पड़ने वाली है। उन्होंने छात्रों बात करते हुए कहा कि आज हम जो भी चीजें इस्तेमाल करते हैं, चाहे वह माइक्रोफोन हो या कैमरा सब चीन में बना है। चीन ने विनिर्माण पर कब्जा कर लिया है। हमें अपनी सोच बदलनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि ये चीजें भारत में बनें। शिक्षा का निजीकरण नहीं होना चाहिए शिक्षा व्यवस्था पर बोलते हुए राहुल ने कहा कि शिक्षा बहुत महंगी नहीं होनी चाहिए और इसका निजीकरण नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, प्राइवेट स्कूल और कॉलेज हो सकते हैं, लेकिन गुणवत्तापूर्ण सरकारी शिक्षा की भी अपनी भूमिका है। इसके लिए सरकार को बजट में ज्यादा पैसा देना होगा। रोजगार के लिए माहौल बनाना जरूरी रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सिर्फ आईटी या सर्विस इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि छोटे और मध्यम उद्योगों में भी नौकरियां पैदा करने वाला माहौल बनाना होगा। बिना नौकरी के युवाओं को अवसर नहीं मिल सकता। उन्होंने कहा इसलिए मैं यही करूंगा।

असम और पश्चिम बंगाल को भारत के कोने-कोने से जोड़ने वाली नौ अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को जल्द ही हरी झंडी दिखाई जाएगी

गोरखपुर: नया साल रेल यात्रा के अनुभव के मामले में गेम चेंजर साबित हो रहा है। चाहे आम आदमी हो या प्रीमियम यात्री, भारतीय रेलवे पूरे भारत में यात्रियों को किफायती कीमत पर आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार है। पश्चिम बंगाल और असम से भारत के कोने-कोने तक नौ अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें जल्द ही शुरू की जाएंगी, जो आधुनिक किफायती ट्रेनों के बढ़ते बेड़े में शामिल होंगी। ये दोनों राज्यों से किफायती लंबी दूरी की कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी, रास्ते में बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे घनी आबादी वाले राज्यों को कवर करेंगी। ये तमिलनाडु, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे दूर-दराज के राज्यों को भी कवर करेंगी, जिससे देश के कई क्षेत्र जुड़ेंगे। ये सेवाएं रेल यात्रा की अतिरिक्त मांग को कम करेंगी और यात्रियों को आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी। भारत में पहली ट्रेन यात्रा के लगभग दो शताब्दियों बाद, भारतीय रेलवे ने उन लाखों लोगों के लिए गतिशीलता को फिर से परिभाषित किया है जो दैनिक आवश्यकता के रूप में ट्रेनों पर निर्भर हैं। आम यात्रियों के लिए आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा को सुलभ बनाकर, इसने लगातार आधुनिक, यात्री-अनुकूल सेवाओं का विस्तार किया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि विश्वसनीयता, सुरक्षा और बेहतर आराम अब केवल प्रीमियम यात्रियों तक ही सीमित नहीं हैं। इसी विजन के अनुरूप, अमृत भारत एक्सप्रेस रोजाना यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक वरदान के रूप में उभरी है। अमृत काल की एक विशेष पेशकश के रूप में परिकल्पित, यह लगभग ?500 प्रति हजार किलोमीटर के किराए पर निर्बाध, नॉन-एसी लंबी दूरी की स्लीपर क्लास यात्रा प्रदान करती है, जिसमें छोटी और मध्यम दूरी की यात्राओं की कीमत आनुपातिक रूप से कम होती है, जो अक्सर भूगोल और अवसरों से अलग किए गए क्षेत्रों को जोड़ती है। किराया संरचना सरल और पारदर्शी है, जिसमें कोई डायनामिक प्राइसिंग नहीं है, जिससे यह आम आदमी के लिए सुलभ है। दिसंबर 2023 में लॉन्च होने के बाद से, 30 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चालू हो चुकी हैं, और सिर्फ एक सप्ताह के भीतर नौ नई सेवाएं जोड़ी जाएंगी। अमृत ??भारत एक्सप्रेस सेवाओं का एक नया सेट पूर्वी और उप-हिमालयी क्षेत्रों से दक्षिणी, पश्चिमी और मध्य भारत के प्रमुख गंतव्यों तक रेल कनेक्टिविटी का विस्तार करेगा। ये नई अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाएं असम, बिहार और पश्चिम बंगाल से गुजरने वाले रूटों पर शुरू की जा रही हैं, ये ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ भारत के प्रवासी कामगारों और लंबी दूरी के रेल यात्रियों की एक बड़ी संख्या रहती है। भारी यात्री संख्या को ध्यान में रखते हुए, खासकर त्योहारों के मौसम और पीक माइग्रेशन के समय, इन ट्रेनों को डिजाइन किया गया है। ये ट्रेनें देश के अलग-अलग हिस्सों में रोजगार, शिक्षा और पारिवारिक जरूरतों के लिए यात्रा करने वाले यात्रियों को विश्वसनीय, किफायती और आरामदायक कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। किफायती लंबी दूरी की कनेक्टिविटी का विस्तार करने के लिए भारतीय रेलवे के लगातार प्रयासों के तहत, नौ अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाएं प्रमुख कॉरिडोर पर शुरू की जा रही हैं। रूट इस प्रकार हैं:

1. गुवाहाटी (कामाख्या) झ रोहतक अमृत भारत एक्सप्रेस
2. डिब्रूगढ़ झ लखनऊ (गोमती नगर) अमृत भारत एक्सप्रेस
3. न्यू जलपाईगुड़ी झ नागरकोइल अमृत भारत एक्सप्रेस
4. न्यू जलपाईगुड़ी झ तिरुचिरापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
5. अलीपुरद्वार झ एसएमवीटी बेंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस
6. अलीपुरद्वार झ मुंबई (पनवेल) अमृत भारत एक्सप्रेस
7. कोलकाता (संतरागाछी) झ तांबरम अमृत भारत एक्सप्रेस
8. कोलकाता (हावड़ा) झ आनंद विहार टर्मिनल अमृत भारत एक्सप्रेस
9. कोलकाता (सियालदह) झ बनारस अमृत भारत एक्सप्रेस

न्यू जलपाईगुड़ी से, ट्रेनें सीधे उत्तरी बंगाल को देश के दक्षिणी सिरे और मध्य तमिलनाडु से जोड़ेंगी, जिससे कई भाषाई, सांस्कृतिक और आर्थिक क्षेत्रों में निर्बाध कॉरिडोर बनेंगे। उम्मीद है कि ये रूट प्रवासी कामगारों, छात्रों, व्यापारियों और परिवारों के लिए महत्वपूर्ण जीवनरेखा बनेंगे जो नियमित रूप से पूर्वी भारत और दक्षिणी शैक्षिक, औद्योगिक और वाणिज्यिक केंद्रों के बीच यात्रा करते हैं। इसी तरह, अलीपुरद्वार से नई सेवाएं पूर्वोत्तर भारत के डुआर्स क्षेत्र और देश के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्से के प्रमुख महानगरीय और औद्योगिक केंद्रों के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी। भौगोलिक रूप से दूर लेकिन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए, ये ट्रेनें स्थिर आर्थिक और सामाजिक कनेक्टर के रूप में काम करेंगी, जिससे नौकरियों, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और बाजारों तक पहुंच में सुधार होगा। बेंगलुरु और चेन्नई जैसे दक्षिणी केंद्रों की ओर जाने वाली सेवाएं पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों को प्रमुख विनिर्माण, आईटी और शिक्षा केंद्रों से जोड़कर कार्यबल की गतिशीलता और छात्रों की यात्रा का समर्थन करेंगी। मुंबई और पनवेल से सीधी कनेक्टिविटी से पूर्व-पश्चिम इंटीग्रेशन मजबूत होगा, जिससे बिजनेस यात्रा और प्रमुख कमर्शियल और लॉजिस्टिक्स हब तक पहुंच आसान होगी। ओडिशा और आंध्र प्रदेश से गुजरने वाले रूट से पूर्वी कॉरिडोर पर बिना किसी रुकावट के आवाजाही बेहतर होगी, जिससे औद्योगिक, तटीय और तीर्थयात्रा वाले इलाकों को फायदा होगा। यात्री कई आधुनिक सुविधाओं का फायदा उठा सकते हैं, जिनमें फोल्डेबल स्नैक टेबल, मोबाइल और बोतल होल्डर, रेडियम फ्लोर स्ट्रिप्स, आरामदायक सीटें और बर्थ, इलेक्ट्रो-न्यूमैटिक फ्लशिंग वाले आधुनिक शौचालय, आग बुझाने के सिस्टम और दिव्यांग यात्रियों के लिए सुविधाएं शामिल हैं। फास्ट चार्जिंग पॉइंट और पैंट्री कार लंबी दूरी की यात्रा को और भी आरामदायक बनाते हैं। आम यात्री की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, अमृत भारत एक्सप्रेस यह साबित करती है कि आधुनिक डिजाइन, विश्वसनीयता और बेहतर सुविधाएं सच में किफायती किराए पर दी जा सकती हैं। रोजाना यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए नॉन-एसी लंबी दूरी की यात्रा को फिर से परिभाषित करके, यह समावेशी, यात्री-केंद्रित रेल आधुनिकीकरण के लिए एक मिसाल कायम करती है। अमृत भारत ट्रेन एक भविष्य के लिए तैयार रेलवे सिस्टम को दिखाती है, जहाँ सोच-समझकर किया गया डिजाइन, स्वदेशी तकनीक और बेहतरीन संचालन मिलकर आरामदायक, भरोसेमंद और समावेशी रेल यात्रा को नया राष्ट्रीय मानक बनाते हैं।

टर्मिनल में परिवर्तन के फलस्वरूप गाड़ियों के आगमन/प्रस्थान समय निम्नवत रहेगा

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु निम्नलिखित गाड़ियों के टर्मिनल में निम्नवत परिवर्तन किया जायेगा। टर्मिनल में परिवर्तन के फलस्वरूप गाड़ियों के आगमन/प्रस्थान समय निम्नवत रहेगा।

टर्मिनल में परिवर्तन-

-22177 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल-वाराणसी जं. एक्सप्रेस के टर्मिनल में परिवर्तन किया गया है। फलस्वरूप यह गाड़ी 20 मार्च, 2026 से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल से 00.15 बजे प्रस्थान कर निर्धारित स्टेशनों पर पूर्व समयानुसार रूकते हुए दूसरे दिन वाराणसी जं के स्थान पर बनारस 03.45 बजे पहुँचेगी।

-22178 वाराणसी जं.-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल एक्सप्रेस के टर्मिनल में परिवर्तन किया गया है। फलस्वरूप यह गाड़ी 21 मार्च, 2026 से वाराणसी जं. के स्थान पर बनारस से 09.45 बजे प्रस्थान कर निर्धारित स्टेशनों पर पूर्व समयानुसार रूकते हुए दूसरे दिन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल 11.40 बजे पहुँचेगी।

मिजार्पुर में मां-बेटे का कत्ल सौतेले भाई ने धारदार हथियार से काटा

वाराणसी। यूपी के मिजार्पुर में दोहरे हत्याकांड से सनसनी फैल गई। मंगलवार की भोर सौतेले पुत्र ने मां और भाई की धारदार हथियार से हत्या कर दी। आरोपी ने सौतेली मां के शव को नहर में फेकने की बात कबूली। पुलिस जांच में जुटी है। उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर के मड़िहान थाना क्षेत्र के मड़िहान बाजार में मंगलवार की भोर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक सौतेले बेटे ने अपनी मां और भाई की निर्मम हत्या कर दी। आरोपी ने दोनों शवों को ट्रैक्टर ट्राली पर लादकर ठिकाने लगाने का प्रयास किया, लेकिन राहगीरों की सतर्कता से पूरी घटना का पदार्फाश हो गया। स्थानीय बाजार निवासी बिल्डिंग मैटेरियल व्यवसायी आयुष गुप्ता (32 वर्ष) और उनकी मां उषा गुप्ता (62 वर्ष) की धारदार हथियार से उनके ही सौतेले बेटे राहुल गुप्ता ने हत्या कर दी। हत्या के बाद, आरोपी ने दोनों शवों को एक ट्रैक्टर ट्राली पर लादा और उन्हें ठिकाने लगाने के इरादे से ले जाने लगा। हालांकि, किस्मत का खेल देखिए कि आयुष का शव रास्ते में मड़िहान तिराहे पर गिर गया। इसके बाद, आरोपी ने उषा देवी के शव को पटेवर मड़िहान ब्रांच नहर में फेंक दिया। राहगीरों की सतर्कता से खुला राज शवों को ठिकाने लगाने की कोशिश के दौरान, जब आरोपी वापसी में तिराहे पर सौतेले भाई का शव गिरा हुआ देखकर उसे चादर से ढकने का प्रयास कर रहा था, तभी बाजार में मौजूद दो राहगीरों की नजर उस पर पड़ी। शोर मचाने पर आरोपी घबराकर अपने घर की ओर भाग निकला। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी राहुल गुप्ता को ट्रैक्टर ट्राली और हथियार सहित हिरासत में ले लिया। पूछताछ में कबूल की वारदात पुलिस पूछताछ के दौरान, आरोपी राहुल गुप्ता ने अपनी सौतेली मां के शव को नहर में फेंकने की बात कबूल कर ली। पुलिस की टीम नहर में फेंके गए शव की खोजबीन के लिए अभियान शुरू की।

सेफ्टी स्टार ऑफ द मंथ संरक्षा पुरस्कार प्राप्तकताओं के साथ महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक विनोद कुमार शुक्ल एवं अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने महाप्रबन्धक सभाकक्ष में 13 जनवरी,2026 को संरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य सम्पादन के लिए 04 कर्मचारियों को सेफ्टी स्टार ऑफ द मंथ घोषित कर नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। पुरस्कार प्राप्तकताओं में लखनऊ मंडल के लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट पद पर कार्यरत श्री राघवेन्द्र सिंह एवं श्री विक्रम सिंह को 20 अक्टूबर, 2025 को गाड़ी संख्या-12557 पर कार्य के दौरान बुढ़वल-बिन्दौरा खण्ड पर किमी0 संख्या-728/03-05 पर क्रासओवर के आसपास जर्क मिला, जिसकी सूचना उन्होंने स्टेशन मास्टर बिन्दौरा को दी। आन ड्यूटी स्टेशन मास्टर बिन्दौरा ने तुरन्त इसकी सूचना इंजीनियरिंग विभाग को दी। इंजीनियरिंग विभाग ने इसकी जाँच कराकर इस खण्ड में 50 किमी0/घण्टा का सतर्कता आदेश लगाया। श्री राघवेन्द्र सिंह एवं श्री विक्रम सिंह की सूझबूझ एवं सतर्कता से एक संभावित दुर्घटना को बचाया गया। वाराणसी मंडल के तरयासुजान स्टेशन पर टैज्क मेंटेनर के पद पर कार्यरत श्री विपिन पाल ने 05 अक्टूबर, 2025 को पेट्रोलिंग के दौरान देखा कि किमी. संख्या-57/0 से 61/0 के मध्य टैज्क का बैंक अत्यधिक बारिश होने के कारण कट गया था। श्री पाल ने तत्काल टैज्क की सुरक्षा करते हुये टेज्न को रोककर जूनियर इंजीनियर/इंचार्ज को सूचित किया एवं टेज्न को संरक्षित ढंग से पास कराया। श्री विपिन पाल की सतर्कता से एक सम्भावित दुर्घटना को बचाया जा सका। इज्जतनगर मंडल के बरेली सिटी स्टेशन पर गाड़ी प्रबन्धक/माल के पद पर कार्यरत श्री रामवीर ने 11 अक्टूबर, 2025 को मालगाड़ी पर कार्य के दौरान बनियाना स्टेशन पर खड़ी अपनी गाड़ी से गाड़ी संख्या 15061 को ऑल राइट सिगनल दिखाते समय पिछले एस.एल.आर./गार्ड ब्रेकयान से तीसरी बोगी के पहिये से चिंगारी निकलते देखकर तत्काल इसकी सूचना इज्जतनगर कन्ट्रोल को दी। गाड़ी को रामगंगा में रोककर चेक करने पर कोच का ब्रेक बीम टूटा हुआ पाया गया। गाड़ी को बरेली सिटी में सवारी मालडिब्बा स्टाफ द्वारा ठीक कर संचालन हेतु फिट प्रदान करने पर गाड़ी चलाई गई। श्री रामवीर की सजगता व सतर्कता के कारण होने वाली सम्भावित घटना को रोका जा सका।

मेस में पैरों से आलू धोने पर भड़के छात्र कक्षाओं का किया बहिष्कार डीएसडब्ल्यू कार्यालय घेरा

कानपुर। एचबीटीयू के श्रीधराचार्य हॉस्टल की मेस में चप्पल पहनकर पैरों से आलू साफ करने का वीडियो वायरल होने के बाद छात्रों ने भारी हंगामा किया। गुस्साए छात्रों ने कक्षाओं का बहिष्कार कर डीएसडब्ल्यू कार्यालय का घेराव किया। कानपुर में हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी के श्रीधराचार्य हॉस्टल में मंगलवार सुबह मेस कर्मचारियों की शर्मनाक लापरवाही उजागर हुई है। खाना बनाने की तैयारी के दौरान कर्मचारियों द्वारा चप्पल पहनकर पैरों से आलू साफ करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद परिसर में हड़कंप मच गया। हालांकि, अमर उजाला वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। घटना की जानकारी मिलते ही सैकड़ों छात्र आक्रोशित हो गए। छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कक्षाओं का बहिष्कार कर दिया और भारी संख्या में डीन स्टूडेंट वेलफेयर कार्यालय जा पहुंचे। छात्रों का आरोप है कि हॉस्टल और मेस की व्यवस्थाएं लंबे समय से बदहाल हैं और उनकी सेहत के साथ सरेआम खिलवाड़ किया जा रहा है। मेस प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मेस कर्मचारी कितनी गंदगी के साथ भोजन तैयार कर रहे हैं। हंगामा कर रहे छात्रों ने मांग की है कि मेस का ठेका रद्द किया जाए और जिम्मेदार कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने छात्रों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन छात्र मेस प्रबंधन के खिलाफ लिखित कार्रवाई और सुधार की मांग पर अड़े रहे।

भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से पुरी, कोलकाता, गंगासागर यात्रा करने का सुनहरा मौका

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर थीम आधारित पर्यटक टेज्नों का संचालन किया जा रहा है। भारत गौरव टेज्नें भारतीय रेल की टूरिस्ट सर्किट टेज्नें हैं, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर नगरों के दर्शन कराती हैं। भारत गौरव टेज्नों के संचलन से पयर्टन को बढ़ावा मिल रहा है। हमारे पर्यटन स्थलों एवं भारत गौरव ट्रेन को लोकप्रिय बनाने के लिये भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम (आई.आर.सी.टी.सी.) द्वारा 05 से 14 फरवरी, 2026 तक 09 रात एवं 10 दिन हेतु श्रद्धालुओं एवं अन्य पर्यटकों के लिये आगरा कैंट स्टेशन से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन द्वारा गया, पुरी जगन्नाथ, कोणार्क मंदिर, कोलकाता, गंगासागर, बैद्यनाथ धाम, वाराणसी, अयोध्या की यात्रा का संचालन किया जा रहा है। इस यात्रा के मुख्य आर्कषण निम्नवत हैं। इस ट्रेन में श्रेणी के अनुसार कुल बर्थो की सं. 767 है, जिसमें वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में कुल 49 सीटें, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में कुल 70 सीटें एवं शयनयान श्रेणी में कुल 648 सीटें उपलब्ध हैं। यात्रियों के चढ़ने-उतरने के लिये आगरा कैंट, ग्वालियर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, बनारस स्टेशन निर्धारित किये गये हैं। यात्रा गंतव्य- विष्णुपद मंदिर (गया), पुरी जगन्नाथ मंदिर, कोणार्क मंदिर (उड़ीसा), कोलकाता, गंगासागर, बैद्यनाथ धाम (जसीडीह), काशी विश्वनाथ मंदिर (वाराणसी), राम मंदिर, हनुमानगढ़ी सरयू आरती (अयोध्या)। सुविधायें- इस पैकेज में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी एवं शयनयान श्रेणी की यात्रा, नाश्ता एवं दोपहर तथा रात्रि का शाकाहारी भोजन, वातानुकूलित/गैर-वातानुकूलित बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण सम्मिलित है। इकोनॉमी श्रेणी (शयनयान श्रेणी) का पैकेज मूल्य रू. 19,110/- प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (05-11 वर्ष) का पैकेज मूल्य रू. 17,950/- है। (शयनयान श्रेणी ट्रेन यात्रा, डबल/ट्रिपल पर गैर-वातानुकूलित होटलों में ठहरने) गैर-वातानुकूलित होटल के कमरे में मल्टी शेयर पर (शेयरिंग नॉन शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) वॉश एंड चेंज एवं गैर-वातानुकूलित ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था सम्मिलित है। स्टैंडर्ड श्रेणी (वातानुकूलित तृतीय श्रेणी) का पैकेज मूल्य रू. 31,720/- प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (05-11 वर्ष) का पैकेज मूल्य रू. 30,360/- है। (वातानुकूलित तृतीय श्रेणी ट्रेन यात्रा, डबल/ट्रिपल पर वातानुकूलित होटलों में ठहरने, गैर-वातानुकूलित होटल के कमरे में डबल/ट्रिपल पर (शेयरिंग/नॉन शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) वॉश एंड चेंज एवं गैर-वातानुकूलित ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था सम्मिलित है। कम्फर्ट श्रेणी (वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी) का पैकेज मूल्य रू. 41,980/- प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (05-11 वर्ष) का पैकेज मूल्य रू. 40,350/- है। (वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी ट्रेन यात्रा, डबल/ट्रिपल पर वातानुकूलित होटलों में ठहरने, वातानुकूलित होटल के कमरे में डबल/ट्रिपल पर (शेयरिंग/नॉन शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) वॉश एंड चेंज एवं वातानुकूलित ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था सम्मिलित है। इस यात्रा सेवा में एल.टी.सी. एवं ई.एम.आई. की सुविधा भी उपलब्ध है। ई.एम.आई. की सुविधा आई.आर.सी.टी.सी. पोर्टल पर उपलब्ध सरकारी एवं गैर सरकारी बैंक से ली जा सकती है। इस पैकेज की बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर की जायेगी। इस यात्रा की बुकिंग हेतु पर्यटन भवन, गोमती नगर, लखनऊ स्थित आई.आर.सी.टी.सी. कार्यालय एवं आई.आर.सी.टी.सी. की वेबसाइट ्रण्पतब जबजवन तपेउण्बवउ से ऑनलाइन बुकिंग भी कराई जा सकती है। अधिक जानकारी एवं बुकिंग के लिये 9236391908, 8287930908, 9305111763, 8595924294, 8595924299, 8287930926 एवं 8595924293 मोबाइल नम्बरों पर सम्पर्क कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

मेडिकल कॉलेज : सुरक्षा बढ़ी गेट से हॉस्टल तक निगरानी

बस्ती। लखनऊ के केजीएमयू में धर्मांतरण का मामला सामने के बाद बस्ती मेडिकल कॉलेज में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। सोमवार को चिकित्सा महाविद्यालय के गेट से लेकर हॉस्टल और परिसर तक चौकसी बरती गई। प्रशासनिक भवन में सीसीटीवी कैमरे के जरिये मेडिकल कॉलेज परिसर की निगरानी होती रहीं। छात्रावास के बाहर भी सुरक्षा चौकस कर दी गई है। बता दें कि सोमवार को मेडिकल कॉलेज गेट पर पहुंचने वाले लोगों पर पूर्व सैनिक पैनी नजर रखे हुए थे, लोगों से पूछताछ और रजिस्टर में विवरण दर्ज करने के बाद ही प्रवेश दिया गया। गर्ल्स और ब्वायज हॉस्टल के बाहर पूर्व सैनिक मुस्तैद किए गए हैं। हॉस्टल के अंदर बाहरियों को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। अपने पाल्यों से मिलने पहुंचने वाले अभिभावकों को बाहर प्रतीक्षालय में बैठाकर मेडिकल छात्रों से मुलाकात कराई जा रही है। सोमवार को 60 से अधिक लोगों को कॉलेज परिसर में प्रवेश दी गई। इसमें अभिभावक और कोरियर ब्वॉय भी शामिल रहे।

सवा लाख मतदाताओं को भेजा जाएगा नोटिस

बस्ती। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया का एक चरण पूरा हो चुका है और पहली सूची प्रकाशित कर दी गई है। लेकिन, अभी भी शतप्रतिशत मतदाताओं की पुख्ता छानबीन नहीं हो सकी है। जिले के पांच विधानसभा क्षेत्रों में डिजिटलाइज्ड किए गए 15 लाख 98 हजार 289 मतदाताओं में से एक लाख 26 हजार मतदाताओं की वर्ष 2003 की सूची से मैपिंग नहीं हुई है। अब प्रशासनिक स्तर से इन मतदाताओं की नए सिरे से मैपिंग कराने के प्रयास शुरू किए गए हैं, इन्हें नोटिस भेजी जाएगी। बता दें कि एसआईआर की प्रकाशित नई सूची में पहले से ही दो लाख 98 हजार 285 यानी 15.9 प्रतिशत मतदाताओं की संख्या जिले में घट गई है। इसके बाद जिन मतदाताओं का नाम सूची में हैं और मौके पर मौजूद पाए गए हैं उसमें से 1.26 लाख मतदाता नो मैपिंग की श्रेणी में है। यदि इन मतदाताओं की वर्ष 2003 की सूची से मैपिंग नहीं हो पाई तो यह एसआईआर के मानक पर सही नहीं ठहरेंगे। मतदाता सूची से इनके नाम कटने की आशंका बढ़ जाएगी। इसलिए प्रशासन को इन मतदाताओं को दोबारा मौका देकर मतदाता सूची में बनाए रखने की पहल शुरू कर दिया है। द्वितीय चरण में नो- मैपिंग वाले सभी मतदाताओं के नाम नोटिस तैयार की जा रही है। इसी सप्ताह बूथवार नो मैपिंग वाले मतदाताओं की नोटिस बीएलओ को प्राप्त करा दी जाएगी।

मतदाता सूची को बनाएं पारदर्शी

बस्ती। कलक्ट्रेट सभागार में सोमवार को डीएम कृत्तिका ज्योत्सना ने एसआईआर को लेकर निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। मतदाता सूची पूरी तरह से पारदर्शी और त्रुटिरहित तैयार की जाए। निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव की आधारशिला शुद्ध मतदाता सूची ही है। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं होगी। निर्देश दिए कि नए मतदाताओं को सूची में शामिल करने पर विशेष जोर दिया जाए। इसके अलावा नाम संशोधन, अपात्र एवं मृत मतदाताओं के नाम हटाने का कार्य भी प्राथमिकता पर कराए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं बूथ लेवल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने- अपने क्षेत्रों में पुनरीक्षण कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण करें। फार्म-6, फार्म-7 एवं फार्म- 8 का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराए। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे अपनी मतदाता सूची में नाम अवश्य जांच लें तथा यदि किसी प्रकार की त्रुटि हो तो समय रहते संबंधित बूथ लेवल अधिकारी से संपर्क कर सुधार कराएं। इस मौके पर एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

किशोरी के अपहरण का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की 16 वर्षीय किशोरी का अपहरण करने के आरोप में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज किया है। पीड़िता की मां ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि जब बेटी स्कूल या कोचिंग को आती-जाती थी तो आरोपी छेड़खानी करता था। दीपावली के दिन भी छेड़खानी की थी। जबरदस्ती फोन पर बात भी करता था। लोक-लाज के डर से इसकी किसी को जानकारी नहीं दी। पांच जनवरी को शादी का झांसा देकर आरोपी बेटी को लखनऊ ले गया। इसमें उसका गांव के दो युवकों ने सहयोग किया।

किशोरी को भगाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। छावनी थाना क्षेत्र विक्रमजोत क्षेत्र की एक किशोरी को शादी का झांसा देकर भगाने के आरोप में पुलिस ने गांव के ही युवक उसकी मां, बहन और भाई पर प्राथमिकी दर्ज किया है। पीड़िता की मां ने छावनी पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि बेटी आठ जनवरी को स्कूल से घर लौट रही थी। रास्ते में गांव का युवक उसे शादी का झांसा देकर अपने साथ लेकर चला गया। जब बेटी घर नहीं लौटी तो उसकी तलाश की गई। पता चला कि बेटी आरोपी के घर है। उलाहना देने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी।

मसूरी घूमने गए बस्ती के पर्यटक की मौत

मसूरी। उत्तर प्रदेश में बस्ती जिले से मसूरी घूमने गए एक पर्यटक की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर परिजनों को सूचना दी है। प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि उत्तरप्रदेश के जगदीशपुर पोस्ट ऑफिस भदावल थाना हरैया जिला बस्ती निवासी मुर्तजा हुसैन (45) पुत्र अली राजा अपने दोस्त के साथ मसूरी घूमने आए थे। दोनों लाइब्रेरी क्षेत्र स्थित एक होटल में रुके थे। इस दौरान मुर्तजा हुसैन का स्वास्थ्य अचानक खराब हो गया।

स्वामी विवेकानंद के विचार युवा पीढ़ी के लिए आज भी प्रासंगिक

बस्ती। स्वामी विवेकानंद की जयंती सोमवार को धूमधाम के साथ मनाई गई। जिले में विभिन्न स्थानों पर विविध कार्यक्रम आयोजित हुए। इस दौरान वक्ताओं ने स्वामी जी के राष्ट्र चेतना पर विशेष प्रकाश डाला। उनके विचार भारतीय युवाओं के लिए आज भी प्रासंगिक बताए गए। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बस्ती नगर इकाई के तत्वावधान में अटल प्रेक्षागृह में स्वामी की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप मनाई गई। युवा महोत्सव का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि भाजपा नेता इं. अरविंद पाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के राष्ट्रवादी विचार युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने भारतीय युवाओं को मजबूत आत्म विश्वास के साथ कर्तव्यनिष्ठ एवं राष्ट्रसेवा के प्रति संकल्पबद्ध रहने का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि जब युवा सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ता है, तब समाज अपने आप प्रगति के पथ पर अग्रसर होता है। आरएसएस के विभाग प्रचारक ऋषि ने अभाविप की वैचारिक पृष्ठभूमि, संगठन की अनुशासित कार्यप्रणाली एवं युवाओं के चरित्र निर्माण में स्वामी जी का जीवन चरित्र विशेष महत्व रखता है। इस मौके पर डॉ. विनय तिवारी, पुनीत अग्रवाल, डॉ. मनोज सिंह, शिखर सिंह मौजूद रहे। बनकटी संवाद के अनुसार स्वामी विवेकानंद की जयंती पर विभिन्न स्कूल कॉलेजों में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया।

वीबी-जीरामजी लागू होने से रोजगार बढ़ेगा: सुरेश खन्ना

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की जनता का परसेप्शन बदला है। सरकार अब ग्रामीण भारत के संतुलित और समग्र विकास को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में बड़े सुधार कर रही है, जिसके तहत वीबी-जीरामजी योजना लागू की जा रही है। यह योजना मनरेगा का स्थान लेगी। इसमें मनरेगा की पहले की कमियों को दूर करते हुए योजनाओं को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाया जाएगा। अब तक मनरेगा के तहत श्रमिकों को 100 दिन का रोजगार मिलता था, लेकिन नई व्यवस्था में यह बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। इससे ग्रामीण श्रमिकों को अधिक दिनों तक काम और आय का अवसर मिलेगा। अक्सर यह शिकायत रहती थी कि कटाई और बुवाई के समय मजदूर नहीं मिलते। इसे ध्यान में रखते हुए नई व्यवस्था में 60 दिनों तक ऐसी छूट दी गई है, जिससे श्रमिक खेती के मौसम में अपनी आवश्यकता के अनुसार काम कर सकेंगे।

'युवा शक्ति के सहयोग से ही विकसित भारत का निर्माण संभव'

जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने विद्यार्थियों के साथ किया योग

ग्वालियर

स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर जिलेभर में सामूहिक सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय कार्यक्रम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिक्षानगर में आयोजित हुआ, जिसमें जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट सहित जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार व प्राणायाम किया। इस अवसर पर सिलावट ने कहा कि युवा शक्ति ही भारत की सबसे बड़ी ताकत है। विश्व में सर्वाधिक युवा आबादी भारत में है और जब युवा शक्ति संगठित होकर प्रयास करती है तो सकारात्मक और सुखद परिवर्तन निश्चित रूप से देखने को मिलता है। जिले के सभी विकासखंडों, नगरीय निकायों, शैक्षणिक संस्थानों, पंचायतों एवं आश्रम शालाओं में आयोजित कार्यक्रमों में कुल मिलाकर लगभग 2.34 लाख विद्यार्थियों व नागरिकों ने भाग लिया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश जाटव, उपाध्यक्ष प्रियंका सिंह घुरैया, भाजपा जिला अध्यक्ष शहर जयप्रकाश राजौरिया, जिला योग प्रभारी दिनेश चाकणकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे। इसके पश्चात आकाशवाणी से प्रसारित संकेतों के अनुसार सूर्य नमस्कार के तीन चक्र एवं सामूहिक प्राणायाम कराए गए।

रन फॉर स्वदेशी से युवाओं में भरा राष्ट्रभक्ति का जोश

एमिटी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में रन फॉर स्वदेशी तीन किलोमीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उद्घाटन अवसर पर कुलगुरु प्रो. (डॉ.) आर.एस. तोमर ने स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से आत्मविश्वासी एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। प्रो चांसलर वी.के. शर्मा ने युवाओं को राष्ट्र सेवा का संकल्प लेने का संदेश दिया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्रा वर्ग के 56 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में एनएसएस चेयरमैन प्रो. राघवेंद्र शर्मा सहित अन्य फैकल्टी सदस्यों की उपस्थिति रही।

युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान

कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान, पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज ऑफ नर्सिंग तथा कॉलेज ऑफ लाइफ साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में कैंसर चिकित्सालय परिसर स्थित गुलाब गार्डन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि जन विकास न्यास के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. बी.आर. श्रीवास्तव रहे तथा अध्यक्षता पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज ऑफ नर्सिंग की संचालिका डॉ. अर्चना श्रीवास्तव ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. गुंजन श्रीवास्तव एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जी.एस. राजपूत उपस्थित रहे। मंत्रोच्चारण के साथ सामूहिक सूर्य नमस्कार कराया गया।

युवाओं को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलने का संदेश

रामकृष्ण मिशन आश्रम से जीवाजी विश्वविद्यालय स्थित स्वामी विवेकानंद उद्यान तक भव्य रैली का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलपति राजकुमार आचार्य ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं के लिए मार्गदर्शक हैं। अध्यक्षता रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी कृष्ण मृतानंद महाराज ने की।

स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व से प्रेरणा लें युवा: मुनेंद्र

स्वामी विवेकानंद की जयंती पर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला ग्वालियर द्वारा समर्पण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग के सह कार्यवाह मुनेंद्र कुशवाह थे। इस दौरान ग्राहक पंचायत के प्रांत अध्यक्ष विजय गंभीर, प्रांत संगठन मंत्री लोकेंद्र मिश्रा, जिला अध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव विशेषरूप से उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता श्री कुशवाह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन को ही राष्ट्रसेवा के लिए समर्पण कर दिया था। युवाओं को स्वामी जी के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। अन्य वक्ताओं ने भी विवेकानंद के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला।

ब्रिलिएंट स्टार हायर सेकेंडरी स्कूल में सामूहिक सूर्य नमस्कार

ब्रिलिएंट स्टार हायर सेकेंडरी स्कूल में युवा दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में सामूहिक सूर्य नमस्कार एवं योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्था सचिव शकुंतला सिंह परिहार, प्राचार्य जितेंद्र सिंह तोमर, योग शिक्षक सतीश जादौन, वरिष्ठ शिक्षक-शिक्षिकाएं मीनू तिवारी, राधा तोमर, रितु कौर, मुकेश धाकड़, अंजु भसीन सहित समस्त स्टाफ ने सहभागिता की।

स्वामी विवेकानंद भारत के युवाओं के यूथ आइकॉन: तिवारी

भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की 163वीं जयंती के अवसर पर चेतकपुरी चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। इस अवसर पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष प्रतीक तिवारी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद भारत के युवाओं के यूथ आइकॉन हैं। कार्यक्रम में पार्षद अपर्णा पाटिल, भाजपा मंडल अध्यक्ष बंटी बघेल सहित बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

- शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1 मुरार ग्वालियर में लगभग 1000 छात्र और छात्राओं ने सामूहिक 'सूर्य नमस्कार' कर योग के महत्व से परिचय करवाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल, विशिष्ट अतिथि प्रदीप पांडेय उपस्थित रहे।
- शासकीय कन्या हाई स्कूल में प्रेरक एवं अनुशासनपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में पूर्व पार्षद विनोद अष्टैया उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और सकारात्मक सोच ही एक सशक्त राष्ट्र की नींव है।

- सरस्वती शिशु मंदिर केदारधाम में भैया कृष्णा दांगी एवं अभिषेक गुर्जर ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आशीष गुप्ता थे। कार्यक्रम के उपरांत सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया।

- महिला पतंजलि योग समिति द्वारा लेडीज पार्क छत्री बाजार में सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 73 वर्षीय दलजीत मान ने 121 सूर्य नमस्कार कर रिकार्ड बनाया।

- पीजीव्ही उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं को योग अभ्यास एवं सूर्य नमस्कार कराया गया। प्राचार्य नरेश कुमार शर्मा ने स्वामी विवेकानंद पर अपने विचार व्यक्त किए।

- सेवा भारती युवा आयाम विभाग ग्वालियर द्वारा सेवा भारती दिव्यांग बालक छात्रावास पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बाल कल्याण समिति ग्वालियर सदस्य संतोष कुमार शर्मा, अनिल कुमार शर्मा, राहुल उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानन्द से प्रेरणा लेकर कार्य करना चाहिए: डॉ. अवस्थी

युवाओं को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करना चाहिए, जिससे विकसित भारत की परिकल्पना को सार्थक किया जा सके। यह बात माधव महाविद्यालय में युवा सप्ताह के अवसर पर डॉ. मनोज अवस्थी ने कही। कार्यक्रम में डॉ. शिव कुमार शर्मा, डॉ. संजय कुमार पाण्डेय एवं डॉ. सरिता दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

युवा बरार समाज का नाम रोशन करें: लालसिंह

ग्वालियर। बरार समाज सामुदायिक भवन में बरार बशंकार धानुक समाज का नववर्ष मिलन एवं युवा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री लालसिंह आर्य थे। अध्यक्षता पूर्व विधायक घनश्याम पिरोनिया ने की। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि युवा बरार समाज का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि युवा ही देश की शक्ति हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया, राजू पलैया, बृजेन्द्र सिंह जादौन एवं धर्मेन्द्र आर्य उपस्थित रहे। संचालन गजेंद्र दिसोरिया ने किया।

सिंधी समाज के रंगारंग कार्यक्रम में किया नृत्य

ग्वालियर। झूलेलाल कल्चरल सोसाइटी ग्रेटर ग्वालियर द्वारा गत दिवस सिंधी समाज का रंगारंग कार्यक्रम शिंदे की छावनी स्थित एक होटल में आयोजित किया गया। इस मौके सिंधी गीतों पर महिला, पुरुष और बच्चों ने नृत्य किया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं, जिसमें विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। संचालन दीपक जैसवानी ने किया। इस अवसर पर श्रीचंद पंजाबी, भीष्म पमनानी, संगीत पारपियानी, मनीष कुंदवानी, दीपक कुकरेजा, गोपाल मोटवानी आदि उपस्थित रहे।

20 स्कूल संचालकसम्मानित

ग्वालियर। प्राइवेट स्कूल संगठन के तत्वावधान में सोमवार को नव वर्ष एवं मकर संक्रांति मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर दिलीप श्रीवास्तव, अरुण सिंह चौहान, जगमोहन कुशवाह, लक्ष्मण सिंह कुशवाह, आसाराम कुशवाह, गोविंद राठौड़ सहित 20 वरिष्ठ स्कूल संचालकों का सम्मान हुआ। कार्यक्रम के पश्चात संगठन विस्तार पर चर्चा की गई। इस अवसर पर नवीन गर्ग, प्रशांत श्रीवास्तव, दिलीप तिवारी, धर्मेंद्र कुशवाहा, राजेश कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के किए चालान

ग्वालियर। शहर में शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस ने चालानी कार्रवाई की। वहीं ओवरलोड वाहन का भी जुर्माना किया। सोमवार को यातायात पुलिस ने गोला का मंदिर क्षेत्र में जीप व ट्रैक्टर चालक को रोका तो वह शराब पीकर गाड़ी चला रहे थे। पुलिस ने जीप का 10 हजार और ट्रैक्टर का दस हजार पांच सौ रुपए का न्यायालय का चालान किया। तो वही एक ट्रैक्टर को ओवरलोड होने पर पकड़कर उसका बीस हजार रुपए का जुर्माना किया गया।

स्वास्थ्य शिविर में 457 रोगियों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

ग्वालियर। ग्वालियर पंजाबी परिषद चंबल संभाग द्वारा शुजाबाद भवन नई सड़क में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 457 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। इस मौके पर जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क दवाईयां वितरित की। शिविर में अशोक सहगल, पुरनचंद खत्री, हरीश साहनी, हरीश सहगल प्रवक्ता राजू पंडित उपस्थित रहे।

बुद्धिजीवी और विशेषज्ञों के लिए उच्च सदन अनिवार्य

ग्वालियर

समग्र शिक्षक संघ मप्र के तत्वावधान में सिटी सेंटर स्थित सत्कार गेस्ट हाउस में सोमवार को एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्याम सुंदर सिंह, विशिष्ट अतिथि भाजपा महानगर के जिला उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता एवं वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. केशव पाण्डेय उपस्थित रहे। अध्यक्षता विधायक मोहन सिंह राठौड़ ने की। सेमीनार को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि बुद्धिजीवी और विशेषज्ञों की सेवाओं के लिए उच्च सदन अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में भी विधान परिषद का गठन किया जाना चाहिए। सुधीर गुप्ता ने बताया कि अनुच्छेद 169 के तहत मध्य प्रदेश विधानसभा में उपस्थित सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से पारित विधान परिषद के गठन के प्रस्ताव को भारतीय संसद में भेजकर तत्पश्चात अधिनियम के तहत लोकसभा एवं राज्यसभा में साधारण बहुमत से प्रस्ताव पारित होने पर राष्ट्रपति हस्ताक्षर के बाद विधान परिषद के गठन की अनुमति मिल जाती है। इस अवसर पर डॉ. केशव पाण्डेय को समाजसेवा में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजीव पाठक, कपिल शर्मा, संजय तिवारी, जगमोहन गुप्ता, नन्द किशोर गोस्वामी आदि उपस्थित रहे। संचालन अर्चना सेंगर और आभार अमित उपमन्यु ने व्यक्त किया।

उटीला से लापता नाबालिग टीकमगढ़ में मिली

ग्वालियर। उटीला थाना क्षेत्र से लापता नाबालिग को पुलिस ने टीकमगढ़ से बरामद कर लिया है। पुलिस नाबालिग को पकड़कर शहर में लाई और उससे पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि उसे कौन बहलाफुलाकर ले गया था ?एसडीओपी बेहट मनीष यादव ने बताया कि 9 जनवरी को उटीला से 16 वर्षीय नाबालिग घर से रात के समय लापता हो गई थी। परिजनों को जब तलाश करने पर भी नाबालिग नहीं मिली तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस नाबालिग की तलाश में जुट गई। सोमवार को पुलिस को सूचना मिली कि लापता नाबालिग टीकमगढ़ बस स्टैण्ड पर देखी गई है। पुलिस ने दबिश देकर टीकमगढ़ से बरामद कर लिया है।

छोटे-छोटे कार्यों में हाथ बंटाने से आती है परिवार में सुख-शांति

ग्वालियर। पार्वती बाई गोखले विज्ञान महाविद्यालय ग्वालियर में नेशनल टास्क फोर्स के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में नागरिक सहकारी बैंक के सेवानिवृत्त प्रबंधक प्रमोद गजेंद्रगढकर एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. कमल जैन एवं डॉ. संजीव चौधरी उपस्थित रहे। अध्यक्षता प्राचार्य सुनील पाठक ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने बताया कि हम घर परिवार के छोटे-छोटे कार्यों में हाथ बंटाकर किस प्रकार अपने परिवार की मदद कर सकते हैं और परिवार में सुख शांति ला सकते हैं। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के लिए वातावरण और संस्कारों का महत्व भी समझाया। संचालन डॉ. वंदना सेन और आभार डॉ. स्वाति ने व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. संजीव चौधरी, डॉ. कमल जैन, डॉ. महेश बंसल आदि उपस्थित रहे।

प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, एआई और जलवायु-लचीली कृषि पर मंथन

आईटीएम में द्वितीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आईसीआईए का आयोजन

ग्वालियर

आईटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर द्वारा दो दिवसीय द्वितीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेस प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एआई एवं जलवायु-लचीली कृषि (आईसीआईए-2026) का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला मौजूद रहे। जबकि आईटीएम के कुलपतिडॉ. योगेश उपाध्याय ने की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. शुक्ला ने कहा कि प्राकृतिक संसाधन केवल वर्तमान पीढ़ी के उपभोग की वस्तु नहीं हैं, बल्कि इन्हें भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. उपाध्याय ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एक शक्तिशाली तकनीक है, लेकिन इसके संतुलित, पारदर्शी और जिम्मेदार उपयोग की आवश्यकता है, ताकि मानव विवेक, पारंपरिक ज्ञान और नैतिक मूल्यों की उपेक्षा न हो।

स्वागत भाषण में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर के डीन प्रो. एस.के. शर्मा ने जलवायु परिवर्तन एवं संसाधन संकट से निपटने के लिए विज्ञान, तकनीक और नीति के समन्वय पर जोर दिया। डॉ. शमा परवीन ने सम्मेलन की विषयवस्तु प्रस्तुत करते हुए एआई को 21वीं सदी की कृषि का सशक्त उपकरण बताया। विशिष्ट अतिथि डॉ. सुधाकर पांडेय, प्रो. एम.बी. चेती, प्रो. एन.एस. राठौर, ने भी प्रकाश डाला।

मां-बेटी की मारपीट करने वालों पर हत्या के प्रयास की प्राथमिकी

ग्वालियर

मुरार थाना पुलिस ने घर में घुसकर मां-बेटी पर प्राणघातक हमलाकरने वाले आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। दबंग पड़ोसियों ने पुरानी रंजिश के चलते मां-बेटी को बुरी तरह पीटा था जिससे वह घायल हो गई थीं। सुरैयापुरा निवासी बैजयंती शर्मा और उनकी मां शीलादेवी 6 जनवरी को घर पर थी तभी पड़ोसी घर में घुस आए और उनके साथ जमकर मारपीट कर दी थी। बताया गया है कि हमलावर आठ-नौ के करीब थे और उन्होंने मां-बेटी को लात-घूसों व डंडों से पीट पीटकर अधमरा कर दिया था। दबंगों की मारपीट की शिकार पीड़िता थाने पहुंची और पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई और उनको थाने से चलता कर दिया था। इस संबंध में एएसपी अनु बेनीवाल का कहना है कि मां-बेटी को पुरानी रंजिश पर लहूलुहान करने वाले आरोपियों पर धारा 109(1) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

वरिष्ठ नेत्र सर्जन की सफल सर्जरी से यूपीएससी अभ्यर्थी की आंखों में लौटी रोशनी

ग्वालियर

शहर की 24 वर्षीय यूपीएससी अभ्यर्थी नेहा रूपचंदानी के जीवन में उस समय अंधेरा छा गया था, जब एक दुर्घटना के बाद उनकी आंखों में ट्रॉमा-जनित मोतियाबिंद विकसित हो गया। धीरे-धीरे किताबों के अक्षर धुंधले होने लगे, पढ़ाई बाधित हो गई और देश सेवा का सपना कमजोर पड़ने लगा। जांच में सामने आया कि उनकी दाहिनी आंख की पावर पच्चीस डायोप्टर और बाईं आंख की पावर तीस डायोप्टर तक पहुंच चुकी थी, जो अत्यंत दुर्लभ और जोखिमपूर्ण स्थिति मानी जाती है। कई स्थानों पर परामर्श के बावजूद सर्जरी को लेकर आशंका जताई गई। ऐसे में वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. पुरेंद्र भसीन ने पूरे आत्मविश्वास और अनुभव के साथ इस जटिल मामले को स्वीकार किया। विस्तृत परीक्षण, सटीक गणना और आधुनिक तकनीकों के सहारे उन्होंने ट्रॉमा-जनित मोतियाबिंद की कठिन सर्जरी सफलतापूर्वक की।

सम्पादकीय

अमेरिका की निगाह ईरान पर

ईरान में दिसंबर 2025 के आखिरी दिनों में आर्थिक संकट से भड़का आंदोलन अब सत्ता के खिलाफ खुले विद्रोह में बदल चुका है। ईरान की सड़कों पर इस समय भयावह मंज़र है। एक तरफ सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ सड़कों पर उबाल जारी है, तो वहीं प्रदर्शनकारियों को आतंकवादी करार देते हुए उन्हें कुचला जा रहा है। लेकिन यह केवल आंतरिक हिंसा नहीं है, बाहर से अमेरिका इस आग में घी डालने का काम लगातार कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप भले खुद को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सबसे योग्य मानें, असल में वे युद्ध अपराधों और मासूमों की जान लेने के दोषी ठहराए जाने चाहिए। वेनेजुएला पर तो ट्रंप अपना दावा ठोंक ही चुके हैं, अभी उन्होंने एक तस्वीर भी जारी की है, जिसमें वो खुद को वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति दिखा रहे हैं। किसी देश की संप्रभुता और सम्मान के साथ ऐसा मजाक आधुनिक सभ्यता में नहीं किया जा सकता। लेकिन ट्रंप सभ्यता, कूटनीति और नैतिकता के तकाजों को मानते ही नहीं हैं। उन्हें केवल मुनाफे की परिभाषा समझ आती है। ट्रंप ने वेनेजुएला के बाद ग्रीनलैंड हड़पने की चेतावनी दी है। उत्तर अमेरिका और आर्कटिक के बीच बसा ग्रीनलैंड ट्रंप को अपने लिए सामरिक महत्व का लगता है, लेकिन केवल इस वजह से उस पर कब्जे की इजाज़त नहीं दी जा सकती। ग्रीनलैंड डेनमार्क का अर्द्धस्वायत्त वाला देश है, यहां के लोग खुद अपना शासन चलाते हैं लेकिन विदेश नीति और सेना डेनमार्क के पास है। डेनमार्क ने साफ चेतावनी दी है कि अगर ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई की, तो नाटो खत्म हो जाएगा। फ्रांस, इटली, जर्मनी जैसे बाकी देश भी अब ट्रंप से सावधान हो चुके हैं। जब अमेरिका की पूंजीवादी विस्तारवादी नीति एशिया या अफ्रीका के देशों को अपनी चपेट में लेती रही, तो ये यूरोपीय देश लोकतंत्र और उदारवाद के नाम पर अमेरिका का साथ देते आए। मगर अब खुद उन पर आंच आनी शुरू हुई तो उन्हें समझ आ रहा है कि-लगेगी आग तो आएंगे घर कई जद में, यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है।। -राहत इंदौरी। बहरहाल, यूरोपीय देशों को जो खतरा अब दिख रहा है, ईरान से उसे पहले ही भांप लिया था। हालांकि इसमें ईरानी शासन की अपनी खामियां भी हैं, लेकिन उसे अपने स्तर पर सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए, न कि इसमें बाहरी ताकतों का दखल होना चाहिए। इस समय ईरान में आर्थिक संकट से खड़े हुए आंदोलन के बाद तख्तापलट का खतरा बढ़ गया है। पिछले साल 28 दिसंबर को शुरू हुए जनआंदोलन में अब तक 5 सौ से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं और 10 हज़ार से ज्यादा लोग बंदी बनाए गए हैं। 1979 में हुई इस्लामिक क्रांति के बाद 47 साल में ऐसा आंदोलन कभी नहीं देखा गया। हालांकि इस बीच महसा अमीनी की मौत के बाद महिला अधिकारों को लेकर 2022 में आंदोलन हुआ था, लेकिन उसकी प्रकृति अलग थी।इन विरोध प्रदर्शनों पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि आतंकवादियों ने न केवल नागरिकों बल्कि सुरक्षा बलों को भी निशाना बनाया है, जिनका उद्देश्य देश को अस्थिर करना है। उनका यह भी कहना है कि सुरक्षाबलों ने जरूरत पड़ने लायक ही कार्रवाई की है। वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर प्रदर्शनकारियों को मारा जाता है, तो वह श्ज़ोरदार हमला करेंगेश। ट्रंप ने कहा कि वह श्वहीं चोट देंगे, जहां सबसे ज्यादा दर्द होगाश।श यह सड़कछाप भाषा ईरान का तेल हथियाने और उसके परमाणु कार्यक्रम बंद कराने के लिए है। पिछले साल इजरायल के जरिए एक बार यह कोशिश अमेरिका कर चुका है। इस बार ईरान के लोगों का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। ट्रंप ने साफ कहा है कि अमेरिका ईरानी शासन का विरोध करने वालों की मदद के लिए तैयार है। हालांकि ईरान ने इसके जवाब में कहा है कि अगर ऐसा होगा, तो वो क्षेत्र में अमेरिकी सहयोगियों और उसके हितों पर हमला करेगा।इस बीच, ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रजा पहलवी ने प्रदर्शनकारियों से सड़कों पर डटे रहने की अपील की है। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद रेजा पहलवी के पिता द्य शाह पहलवी को सत्ता से हटा दिया गया था। अब द्य पहलवी निर्वासन में रहकर आंदोलन को नेतृत्व करने की कोशिश कर रहे हैं। इस बार पहलवी परिवार की वापसी की मांग वाले नारे भी सुने जा रहे हैं, इससे संकेत मिल रहे हैं कि कहीं ईरान में अपनी पिट्ठू सरकार बनाने की तैयारी तो अमेरिका की नहीं है।इधर ईरान में प्रदर्शन रोकने के लिए सरकार ने इंटरनेट ब्लैकआउट का सहारा लिया है, लेकिन यह कितना कारगर होगा, कहा नहीं जा सकता। अयातुल्लाह खामेनेई को सबसे पहले आर्थिक संकट दूर करने के उपाय तलाशने होंगे। ईरान की कमाई का सबसे बड़ा जरिया कच्चा तेल है। लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पहले से ही ईरान पर कई तरह के प्रतिबंध लगा रखे हैं। इससे ईरानी मुद्रा रियाल काफी गिरकर एक डॉलर के मुकाबले 14 लाख रियाल तक पहुंच चुकी है। प्रतिबंधों के कारण ईरान अन्य जरियों से अपना तेल सस्ते में बेचने पर मजबूर है। खरीदारों को आकर्षित करने के लिए अक्सर कार्गो पर छूट दी जाती है, फिर तेल को बिचौलियों और गुमनाम फर्मों के माध्यम से ले जाया जाता है।

लड़ाई-लड़ाई माफ करो! ट्रंप ने मानी हार, सबसे ताकतवर ग्रुप में भारत को किया शामिल

ट्रंप के दूत ने ऐलान किया है कि अमेरिका भारत को सबसे ताकतवर ग्रुप में शामिल करने वाला है। जी हां, अमेरिका ने भारत को अपनी सबसे बड़ी और सबसे महत्वाकांक्षी टेक्नोलॉजी रणनीति पैक्स सिलिका में शामिल होने का न्योता दिया है। 12 जनवरी को सुबह शेयर मार्केट खुला और देखते ही देखते सेंसेक्स धड़ाम से नीचे गिर गया। इन्वेस्टर्स के चेहरे उतर गए। अब क्या होगा? टाइप बातें चलने लगी। लेकिन दोपहर के 1:00 बजते ही लगा जैसे किसी ने स्विच दबा दिया। सेंसेक्स में अचानक उछाल आ गया। मार्केट ने यू टर्न लिया और फिर गिरावट गायब। फिर सवाल आया कि अचानक ऐसा हुआ कैसे? तो वजह पता चली अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गर ने एक बयान दिया है। 12 जनवरी को नई दिल्ली में अपना पदभार संभालने के बाद सर्जियो ने कहा कि अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा जरूरी देश कोई और नहीं है। जिसके बाद से चचाएं तेज हो गई। कहा जाने लगा कि अमेरिका और भारत के रिश्तों में आज एक ऐसा मोड़ आया है जिसे 21वीं सदी की टेक्नोलॉजी पॉलिटिक्स का गेम चेंजर कहा जा रहा है। वही ट्रंप जिन्होंने टेरिफ की वजह से भारत के साथ अपने रिश्तों में खटास पैदा कर ली थी अब उसे सुधारने की कोशिश में जुट गए हैं। कोशिश इसलिए क्योंकि ट्रंप के दूत ने ऐलान किया है कि अमेरिका भारत को सबसे ताकतवर ग्रुप में शामिल करने वाला है। जी हां, अमेरिका ने भारत को अपनी सबसे बड़ी और सबसे महत्वाकांक्षी टेक्नोलॉजी रणनीति पैक्स सिलिका में शामिल होने का न्योता दिया है। यह वही रणनीति है जो आने वाले समय में यह तय करेगी कि दुनिया में चिप्स कौन बनाएगा। एआई पर किसका कंट्रोल होगा और भविष्य की टेक्नोलॉजी किसके भरोसे रहेगी। तो सवाल यह है पैक सिलिका क्या है? डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को इसमें क्यों चुना? भारत को इससे क्या फायदा मिलेगा? और सबसे अहम सवाल इससे किस देश को सबसे ज्यादा मिर्ची लगेगी? सभी सवालों का आज एमआरआई स्कैन करेंगे। बेसिकली पैक्स सिलिका एक न्यूली लॉन्च्ड यूएस लेड इंटरनेशनल कोलेशन है। अमेरिका ने इसे 12 दिसंबर 2025 को शुरू किया था। जापान, साउथ कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड्स, ब्रिटेन, वअए, इजरायल और ऑस्ट्रेलिया इसका हिस्सा है। एक प्रकार से ट्रस्टेड सिक्योर और इनोवेशन ड्रिवन ग्लोबल सप्लाई चेन को बिल्ड किया जा रहा है। मतलब एक सप्लाई चेन दुनिया भर में बिल्ड किया जा रहा है अलग-अलग देशों के साथ मिलकर। ताकि जो टेक्नोलॉजीस और मटेरियल हैं जो 21 सेंचुरी में 21 सेंचुरी की इकॉनमी में बहुत ज्यादा हेल्पफुल होते हैं। उदाहरण के लिए हम बात करते हैं सेमीकंडक्टर्स की आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस की एडवांस मैन्युफैक्चरिंग की। तो इसमें जो मटेरियल्स का इस्तेमाल होता है, जो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होता है, उसका सप्लाई चेन सिक्योर हो सके। वो ट्रस्टेड और सिक्योर तरीके से आए। और इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि चीन जिस तरह से अभी चीजें की थी। गौरतलब है कि क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई के ऊपर रोक लगा दिया था। पूरी दुनिया खतरे में आ रही थी। क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई है, प्रोसेसिंग है, ये सब कुछ में चीन डोमिनेट करता है। अमेरिका को भी इस बात का डर हो गया कि चीन तो कभी भी इस चीज को रोक सकता है, इसका फायदा उठा सकता है। अब अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा, भारत को भी शामिल किया जाएगा। अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि भारत को अमेरिका की अगुवाई वाली रणनीतिक पहल पैक्स सिलिका में शामिल होने का न्योता दिया जाएगा। इस का मकसद दुनिया की सिलिकॉन और तकनीकी सप्लाई चेन को सुरक्षित, मजबूत, आधुनिक बनाना है। इसमें अहम खनिज, उन्नत मैन्युफैक्चरिंग, सेम डक्टर, अकइंफ्रास्ट्रक्चर लॉजिस्टिक्स और जुड़ी तकनीकें शामिल हैं। क्यों जरूरी है पैक्स सिलिका ? आज की आधुनिक तकनीकें जैसे अक, 5 जी, डेटा सेंटर, रोबॉटिक्स, सेमीकंडक्टर सिलिकॉन और दूसरे अहम खनिजों पर टिकी हैं। अभी इनका बड़ा हिस्सा चीन के नियंत्रण में है। पैक्स सिलिका का मकसद इसी निर्भरता को कम करना है। इसके तहत भरोसेमंद देशों के साथ मिलकर सप्लाई चेन मजबूत की जाएगी। संसाधन, तकनीक और निवेश को साझा किया जाएगा। साथ ही अकऔर नई तकनीकों के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद नेटवर्क तैयार किए जाएंगे। इसका नाम पैक्स सिलिका क्यों है? लैटिन वर्ड है पैक्स। पैक्स का मतलब होता है पीस। मतलब कि चीजों को स्टेबल करना। एक प्रकार से जो इकोनॉमिक इंटरेस्ट है सबके जिन-जिन देशों के आपस में इकोनॉमिक इंटरेस्ट शेयर होते हैं वहां पर कोऑपरेटिव तरीके से चीजों को बिल्ड करना। तो पीस लेकर आना और सिलिका सिलिका तो सिंपल सी बात है सिलिकॉन की हम बात कर रहे हैं जो क्रिटिकल मिनरल्स हैं। जो कि सेमीकंडक्टर सोलर पैनल एआई चिप्स मॉडर्न टेक्नोलॉजी हर चीज में इस्तेमाल किया जाता है। तो एक प्रकार से ये कोलेशन फॉर पीस है जहां पर इकोनॉमिक और टेक्नोलॉजिकल कोपरेशन के थ्रू ये लाने की कोशिश की जा रही है। मतलब दुनिया भर में शांति लाने की कोशिश की जा रही है टेक्नोलॉजी और इकोनॉमिक कोपरेशन के थ्रू। भारत के लिए क्यों खास है? गोर ने ऐलान किया कि भारत को अगले महीने इस पहल में शामिल किया जाएगा, जिससे भारत-अमेरिका तकनीकी और सप्लाई चेन सहयोग को और आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा। यह कदम विशेष रूप से भारत के सेमीकंडक्टर मिशन और वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की भूमिका को मजबूत करने में मदद करेगा। सप्लाई चेन और रणनीतिक प्रभाव क्या है? इसके जरिए अमेरिका एक नई तरह की आर्थिक सुरक्षा रणनीति बना रहा है, जिसमें टेक्नोलॉजी, देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था आपस में जुड़ी होंगी। यह कोई पारंपरिक सैन्य गठबंधन नहीं है, बल्कि तकनीक और उद्योग पर आधारित साझेदारी है।

सेंसेक्स में अचानक उछाल आ गया। मार्केट ने यू टर्न लिया और फिर गिरावट गायब। फिर सवाल आया कि अचानक ऐसा हुआ कैसे? तो वजह पता चली अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गर ने एक बयान दिया है। 12 जनवरी को नई दिल्ली में अपना पदभार संभालने के बाद सर्जियो ने कहा कि अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा जरूरी देश कोई और नहीं है। जिसके बाद से चचाएं तेज हो गई। कहा जाने लगा कि अमेरिका और भारत के रिश्तों में आज एक ऐसा मोड़ आया है जिसे 21वीं सदी की टेक्नोलॉजी पॉलिटिक्स का गेम चेंजर कहा जा रहा है। वही ट्रंप जिन्होंने टेरिफ की वजह से भारत के साथ अपने रिश्तों में खटास पैदा कर ली थी अब उसे सुधारने की कोशिश में जुट गए हैं। कोशिश इसलिए क्योंकि ट्रंप के दूत ने ऐलान किया है कि अमेरिका भारत को सबसे ताकतवर ग्रुप में शामिल करने वाला है। जी हां, अमेरिका ने भारत को अपनी सबसे बड़ी और सबसे महत्वाकांक्षी टेक्नोलॉजी रणनीति पैक्स सिलिका में शामिल होने का न्योता दिया है। यह वही रणनीति है जो आने वाले समय में यह तय करेगी कि दुनिया में चिप्स कौन बनाएगा। एआई पर किसका कंट्रोल होगा और भविष्य की टेक्नोलॉजी किसके भरोसे रहेगी। तो सवाल यह है पैक सिलिका क्या है? डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को इसमें क्यों चुना? भारत को इससे क्या फायदा मिलेगा? और सबसे अहम सवाल इससे किस देश को सबसे ज्यादा मिर्ची लगेगी? सभी सवालों का आज एमआरआई स्कैन करेंगे। बेसिकली पैक्स सिलिका एक न्यूली लॉन्च्ड यूएस लेड इंटरनेशनल कोलेशन है। अमेरिका ने इसे 12 दिसंबर 2025 को शुरू किया था। जापान, साउथ कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड्स, ब्रिटेन, वअए, इजरायल और ऑस्ट्रेलिया इसका हिस्सा है। एक प्रकार से ट्रस्टेड सिक्योर और इनोवेशन ड्रिवन ग्लोबल सप्लाई चेन को बिल्ड किया जा रहा है। मतलब एक सप्लाई चेन दुनिया भर में बिल्ड किया जा रहा है अलग-अलग देशों के साथ मिलकर। ताकि जो टेक्नोलॉजीस और मटेरियल हैं जो 21 सेंचुरी में 21 सेंचुरी की इकॉनमी में बहुत ज्यादा हेल्पफुल होते हैं। उदाहरण के लिए हम बात करते हैं सेमीकंडक्टर्स की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की एडवांस मैन्युफैक्चरिंग की। तो इसमें जो मटेरियल्स का इस्तेमाल होता है, जो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होता है, उसका सप्लाई चेन सिक्योर हो सके।

घरेलू महिलाएं खुद न करें अपनी खुशी की हत्या

प्रज्ञा पांडेय

आज का समय फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम का है। हर व्यक्ति बोल रहा है, लिख रहा है, दिख रहा है। प्रतिभा को मंच मिल रहा है, अभिव्यक्ति को विस्तार मिल रहा है। लेकिन इसी शोर के बीच एक तबका ऐसा है, जो आज भी चुप है-या यूं कहें कि चुप करा दिया गया है। मैं उन स्त्रियों की बात कर रही हूं, जिनका पूरा जीवन केवल नर्म, गोल और गर्मा-गर्म रोटियां बनाते-बनाते ठंडा पड़ गया। 40 साल पहले हालात अलग थे, तब विकल्प नहीं थे। लेकिन आज भी वही जीवन जीना, वही तर्क देना, यह मजबूरी नहीं, आदत बन चुकी है। स्पष्ट कर दूं-रोटी बनाना कोई अपराध नहीं, अपराध यह है कि आप खुद को केवल रोटी बनाने की मशीन में बदल दें। रोटी बनाना और रोटी भी बनाना, इन दोनों में वही अंतर है जो जिंदा रहने और जीने में होता है। कटु सत्य यह है कि रोटी को एकदम गोल बनाने की जिद में आपने अपने व्यक्तित्व की सारी धार कुंद कर दी। दूसरों की थाली गर्म रखने में आप खुद ठंडी पड़ गईं और यह कोई त्याग नहीं, यह आत्म-उपेक्षा है। आप सबको उतनी ही गर्म रोटी खिलाइए, जितनी आप स्वयं भी उनके साथ बैठकर खा सकें। वरना याद रखिए, जो औरत खुद नहीं खाती, उसे कोई खिलाने नहीं आता। आपने अपनी पूरी ऊर्जा फर्श चमकाने, रसोई संभालने और चूल्हे में झोंक दी। अब जब खुद को पीछे छूटा पाती हैं, तो अपनी कुंठा नई पीढ़ी, कामकाजी महिलाओं या बहुओं पर थोप देती हैं। यह असंतोष का समाधान नहीं, सिर्फ उसका बदसूरत रूप है। अब दूसरों से जलना बंद कीजिए। सच तो यह है कि जलन उनकी नहीं, अपनी अधूरी संभावनाओं की है। ठहरिए और खुद से पूछिए- क्या मैं आज वही हूं, जो मैं हो सकती थी? अगर जवाब नहीं है, तो दोष दुनिया को नहीं, अपनी प्राथमिकताओं को दीजिए। जिन कारणों ने आपको रोका, उन्हें रोने की सूची से हटाकर जीवन की बी-लिस्ट में डाल दीजिए। कड़वा सच यह है कि दुनिया आपको आपके त्याग से नहीं, आपकी उपलब्धियों से पहचानती है। आपने कितना सहा, इससे किसी को फर्क नहीं पड़ता। यहां तक कि परिवार को भी नहीं। बच्चे बड़े होते ही व्यस्त हो जाते हैं और पति की व्यस्तता तो वर्षों पुराना बहाना है।अक्सर देखा जाता है कि रोटी ठंडी हो रही हो और आप आवाज दें, तो जवाब मिलता है-आपको तो खाने की ही पड़ी है। सोचिए, जिस खाने के लिए आपने अपने सपने फ्रीजर में रख दिए, उसकी कीमत किसी की नजर में क्या है। इसलिए अब वक्त है कि रोटी ही बनाना को रोटी भी बनाना में बदला जाए। जीवन कोई गैस सिलैंडर नहीं है, जो जब चाहे बदल लिया जाए। जो करना है, अभी कीजिए। क्योंकि भविष्य में न आपका बेटा अपनी पत्नी को सिर्फ रोटी बनाने देगा और न आपकी बेटी खुद को चूल्हे तक सीमित करेगी। तब उन्हें कोसने से अच्छा है कि आज खुद को बदला जाए। खाना बनाइए, घर संभालिए लेकिन इसके बाद खुद को भी समय दीजिए। कुछ रचिए, कुछ सीखिए। जब आप खुद को गंभीरता से लेंगी, तब परिवार भी आपको हल्के में लेना बंद कर देगा। और हां! जिस दिन आप रसोई के समय सबके पीछे भागना बंद करेंगी, उसी दिन सब समय पर खाने आने लगेंगे। सम्मान मांगना नहीं पड़ता, सीमाएं तय करनी पड़ती हैं। यह लेख घर-परिवार छोडने की वकालत नहीं करता। यह सिर्फ इतना कहता है कि घर बचाने के चक्कर में खुद को मत खोइए। किसी भूली हुई हॉबी को फिर से उठाइए-लिखिए, पढिए, सीखिए, कमाइए या बस खुद के लिए जिएं। शुरूआत में तालियां नहीं मिलेंगी लेकिन याद रखिए, जो औरत खुद के लिए खड़ी हो जाती है, उसे गिराना आसान नहीं होता। और अंत में- जीवन जीना कोई मजबूरी नहीं, यह एक कला है, एक तैयारी है। खुद को खुश रखना कोई स्वार्थ नहीं, यह आपकी सबसे पहली जिम्मेदारी है।

पंजाब में गैंगस्टरों का उदय

निजीश एन

2026 के सिर्फ पहले हफ्ते में, पंजाब में लगातार 4 टारगेटेड किड्ढ़लग हुईं, जो राज्य में मुश्किल हिंसा के जमे हुए पैटर्न के लगातार बने रहने और बढने तथा कानून-व्यवस्था में गंभीर कमियों को दिखाती हैं। हमलावरों का साफ तौर पर बेखौफ होना, खालिस्तान समर्थक चरमपंथी तत्वों, नारकोटिक्स की तस्करी और स्थानीय राजनीतिक दुश्मनी से जुड़े ट्रांसनैशनल ऑर्गेनाइज्ड क्राइम और गैंगस्टर नैटवर्क की बढ़ती हिम्मत को दिखाता है। 5 जनवरी, 2026 को, गगनदीप सिंह, जो बाऊंसर के तौर पर काम करने वाले एक पूर्व कबड्डी खिलाड़ी थे और जगराओं की आप विधायक सरवजीत कौर के करीबी रिश्तेदार थे, को जगराओं में मानुके गांव के बाहरी इलाके में अनाज मंडी के पास एक खेत में हथियारबंद हमलावरों ने गोली मार दी। शुरूआती जांच से पता चलता है कि हत्या दुश्मन ग्रुप्स के बीच झगड़े के बाद हुई। 4 जनवरी, 2026 को, आप सरपंच जरमल सिंह को अमृतसर जिले में अमृतसर-अटारी रोड पर वेरका के पास एक रिजॉर्ट में भीड़ भरे शादी समारोह के दौरान 2 बिना मास्क वाले हथियारबंद हमलावरों ने गोली मार दी। उनको एक साल से ज्यादा समय से विदेश में रहने वाले गैंगस्टर प्रभ दासुवाल से जबरन वसूली की धमकियां मिल रही थीं। 3 जनवरी, 2026 को, कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्त्ता उमरसिर सिंह को मोगा जिले के ड्डषभडर कलां गांव में अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने गोली मार दी। इससे पहले, 2 जनवरी, 2026 को, हेमप्रीत कौर, एक एन.आर.आई., जो लगभग एक महीने पहले विदेश से लौटी थी, की कपूरथला जिले में दो मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने टारगेटेड हमले में गोली मारकर हत्या कर दी। खास बात यह है कि 2016 में इस पैटर्न के फिर से शुरू होने के बाद से, 8 साल (2008-2015) के बाद, 2025 में पंजाब में टारगेटेड किलिंग की सबसे ज्यादा संख्या दर्ज की गई है, जिसमें ज्यादातर घटनाएं विदेशों में मौजूद गैंगस्टर सिंडिकेट और कट्टरपंथी खालिस्तानी तत्वों से जुड़े ट्रांसनैशनल क्राइम नैटवर्क से जुड़ी हैं। खालिस्तान एक्सट्रीमिज्म मॉनिटर (के.ई.एम.) के डाटा से पता चलता है कि पंजाब में गैंगस्टर या आतंक से जुड़ी ये मौतें हुईं- 2016 में 3 (सभी आम नागरिक, टारगेटेड किलिंग), 2017 में 6 (सभी आम नागरिक, टारगेटेड किड्ढ़लग), 2018 में 3 (आतंकवादी हमले में आम नागरिक मारे गए), 2019 में 2 (एक ब्लास्ट में दो आतंकवादी मारे गए), 2020 में 2 (आम नागरिक, टारगेटेड किड्ढ़लग), 2021 में 1 (ब्लास्ट में आतंकवादी मारा गया), 2022 में 3 (आम नागरिक, टारगेटेड किलिंग), 2023 में 6 (3 आम नागरिक और 3 गैंगस्टर, सभी टारगेटेड किलिंग), 2024 में 9 (7 आम नागरिक और 2 गैंगस्टर-8 टारगेटेड किलिंग और एक इंटर-गैंग वॉर) और 2025 में तेजी से बढ़कर 31 (19 आम नागरिक, 3 आतंकवादी और 9 गैंगस्टर, जिनमें 21 टारगेटेड किलिंग) शामिल हैं। इनमें से ज्यादातर टारगेटेड किलिंग एक कमांड-एंड-कंट्रोल स्ट्रक्चर को दिखाती हैं, जो उत्तर भारत में लोकल और मिड-लैवल गैंग के ऑपरेटिव को अमरीका, कनाडा, यूरोप, लातिन अमरीका, मिडल ईस्ट और साऊथ-ईस्ट एशिया से ऑपरेट करने वाले विदेश में मौजूद गैंग लीडर्स के साथ-साथ पाकिस्तान की आई.एस.आई. के सपोर्ट वाले गैंगस्टर्स और आतंकवादियों से जोड़ता है। 2016-17 के दौरान, ऐसी हिंसा में मुख्य रूप से गैर-सिख धार्मिक नेताओं और खालिस्तान विरोधी लोगों को निशाना बनाया गया ताकि सांप्रदायिक तनाव बढ़ाया जा सके और अलगाववादी भावना को फिर से जगाया जा सके। हाल के सालों में, खासकर 2022 में गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद, टारगेट प्रोफाइल में एन.आर.आई., व्यापारी और बिजनैसमैन, कबड्डी प्लेयर जैसे खिलाड़ी और पंजाबी गायक शामिल हो गए हैं, जो इन क्रिमिनल-टैरारिस्ट नैटवर्क के अंदर बड़े पैमाने पर एक्सटॉर्शन रैकेट की बढ़ती केंद्रीयता को दिखाता है। 31 दिसम्बर, 2025 को, पंजाब के डी.जी.पी. गौरव यादव ने पाकिस्तानी आर्मी चीफ असीम मुनीर और आई.एस.आई. पर गैंगस्टरों और आतंकवादियों को हथियार सप्लाई करके राज्य को अस्थिर करने की नई साजिशें रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 40 विदेशी गैंगस्टर पंजाब में हिंसा भड़काने की कोशिश में एक्टिव थे, जबकि 400 से ज्यादा गैंग या मॉड्यूल अभी काम कर रहे थे, जिनकी सही संख्या अलग-अलग हो सकती है। डी.जी.पी. ने बताया कि 2025 में पूरी कानून-व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में और ज्यादातर राज्यों के मुकाबले बेहतर थी। उन्होंने बताया कि साल के दौरान, एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (ए.जी.टी.एफ.) और फील्ड यूनिट्स ने 416 गैंगस्टर मॉड्यूल खत्म किए, उनसे जुड़े 992 अपराधियों को गिरफ्तार किया, 620 हथियार और 252 गाडियां जब्त कीं और केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर अनमोल बिश्नोई, परमिंदर सिंह उर्फ पिंदी, सुखदेव कुमार उर्फ मनीष बेदी, और साजन मसीह उर्फ गोरू जैसे गैंगस्टरों का प्रत्यर्पण करवाया। सिख समुदाय में खालिस्तानी चरमपंथी गैंग नैटवर्क के जरिए काम करते हैं, लड़ाकों को भर्ती करते हैं, अक्सर बेरोजगार युवा, जिनका कोई पिछला क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं होता, उन्हें कैश इनाम या विदेश में बेहतर जिंदगी का वादा करके टारगेटेड किलिंग और ग्रेनेड हमलों सहित दूसरे ड्डषहसक कामों को अंजाम देते हैं।

जानलेवा सड़कें

देश में आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सरकार और समाज के स्तर पर चिंताएं तो व्यक्त की जाती हैं लेकिन इन्हें रोकने के लिये कारगर उपाय सिरे चढ़ते नजर नहीं आते। इस बारे में बार-बार वायदे किए जाते हैं, वहीं सुधार के लिये

टुकड़ों-टुकड़ों में हस्तक्षेप किया जाता है। फलतरू परिणाम वही ढाक के तीन पात रहता है। यह आंकड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में हर साल 1.6 लाख से अधिक मौतें सिर्फ सड़क दुर्घटनाओं में होती हैं। विडंबना देखिए कि किसी भी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के मुकाबले सड़क दुर्घटनाएं ज्यादा लोगों की जान ले लेती हैं। हाल ही में सेव लाइफ फाउंडेशन द्वारा सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के लिये किए गए सर्वेक्षण में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। संस्था द्वारा वर्ष 2023 व 2024 में 100 जिलों में सड़क दुर्घटनाओं पर किए गए सर्वेक्षण की रिपोर्ट में कहा गया है कि शाम छह बजे से रात नौ बजे तक समय सड़क हादसों के लिये सबसे घातक होता है। इसके अलावा दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाने के लिये 18 सड़क गलियारों की पहचान की गई है, जिनमें सर्वेक्षण अवधि में सबसे अधिक मौते हुई थीं। इसके साथ ही दुर्घटना की दृष्टि से संवेदनशील सौ जिलों में ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया गया है। निश्चित रूप से यह स्वागत योग्य पहल है। यह जानते हुए कि दुर्घटना रोकने के लिये सामान्य सलाह और एक समान नीतियां लक्ष्य हासिल करने में विफल रही हैं। यकीनी तौर पर दुर्घटना उन्मुख क्षेत्रों में लक्षित हस्तक्षेप बदलाव लाने के लिये बेहतर दृष्टिकोण साबित हो सकता है। बहुत संभव है कि एक खराब ढंग से डिजाइन किया गया मोड़, सड़क पर पर्याप्त रोशनी का न होना, प्रवर्तन में शिथिलता तथा ड्राइविंग में लापरवाही की आदतें, किसी क्षेत्र या जिला विशेष में सड़क दुर्घटनाओं की वजह हो सकती है। निश्चित तौर पर उच्च मृत्यु दर वाले गलियारों का मानचित्रण अधिकारियों को, उन क्षेत्रों में इंजीनियरिंग सुधार, प्रवर्तन और आपातकालीन प्रतिक्रिया बल तैनात करने में सहायक हो सकता है। निस्संदेह, साक्ष्य और अतीत के अनुभव बताते हैं कि लक्षित प्रवर्तन बेहतर परिणाम दे सकता है। बंगलुरू का अनुभव बताता है कि लक्षित प्रयासों से वहां लगातार दूसरे वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि के बावजूद मृत्यु दर में कमी आई है। जो इन प्रयासों की सार्थकता को दशार्ता है। निस्संदेह, अन्य शहरों को भी डेटा आधारित पुलसिंग, सीसीटीवी निगरानी और यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी निगरानी रखने के लिये इस मॉडल को अपनाना होगा। इसमें दो राय नहीं कि केंद्र सरकार की योजना तभी सफल होगी, जब वह पहचान और प्रतीकात्मकता से आगे बढ़कर काम करे। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सड़क सुरक्षा से जुड़ी पिछली कोशिशें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल न होने से विफल रही हैं। इन सुरक्षा उपायों के क्रियान्वयन में व्याप्त कमियों को दूर करने के लिये निरंतर वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने, कार्यान्वयन एजेंसियों की जवाबदेही तय करने के साथ ही परिणामों का नियमित ऑडिट करना आवश्यक है। इस बाबत सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्यों को कार्रवाई करने के लिये सशक्त बनाया जाना चाहिए। वैसे सिर्फ राजमार्गों पर ही ध्यान केंद्रित करने के भी कई खतरे हैं। यह जानते हुए कि देश में राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क नेटवर्क का मुश्किल से 2 से तीन प्रतिशत हिस्सा ही है। लेकिन ट्रैफिक की गति की तीव्रता के चलते इन पर होने वाली मौतों की संख्या कहीं ज्यादा है। साल 2025 की पहली छमाही ही में करीब छब्बीस हजार से अधिक मौतें हुई हैं। वास्तव में शहरी सड़कें, जहां पैदल यात्री, साइकिल चालक और दोपहिया वाहन चालकों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या का बड़ा हिस्सा है, वे अक्सर उपेक्षित रह जाती हैं। इन सड़कों को बेहतर बनाने के लिये निवेश बढ़ाए जाने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर सुरक्षित डिजाइन तैयार करने, वाहनों की गति का प्रबंधन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट बांधना सुनिश्चित करने तथा आपातकालीन देखभाल व्यवस्था को साथ-साथ लागू करने की भी आवश्यकता है।

राजधानी में गंदे पानी से बच्चे-बुजुर्ग बीमार, सड़क पर बाल्टी रखकर प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में लोगों के घरों में इंदौर की तरह गंदा पानी आ रहा है। इससे लोग बीमार हो रहे हैं। महात्मा गांधी विक्रमादित्य वार्ड के हुसैनगंज में लगातार गंदे पानी की समस्या से नाराज लोगों ने 13 जनवरी, मंगलवार को सड़क पर बाल्टी रखकर प्रदर्शन किया। नगर निगम और जलकल विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नगर निगम हाय-हाय के नारे लगाए। लोगों ने अधिकारियों पर सुनवाई नहीं करने का आरोप लगाया। लोगों ने बताया कि करीब 300 घरों में लगातार गंदा पानी आ रहा है। इससे अब बच्चे और बुजुर्ग बीमार हो रहे हैं। बाबू बनारसी दास के पूर्व पार्षद प्रत्याशी इस्लाम अली ने बताया कि कई दिनों से गंदे पानी की समस्या बनी हुई है। लोग बीमार हो रहे हैं। शिकायत के बाद भी कोई सुनने वाला नहीं है। नगर निगम के कर्मचारी सिर्फ टैक्स वसूली करने आ रहे हैं। गंदे पानी को शिकायत करने पर भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। अख्तर जहां ने कहा कि गटर का गंदा पानी आने के कारण लोग बीमार हो रहे हैं। शिकायत के बाद भी कोई सुन नहीं रहा है। सिर्फ कुछ देर तक ही पानी आता है। ऐसे में समस्या बनी हुई है। शिकायत करने पर सुनवाई नहीं होती है। राम कुमारी ने कहा कि आधा घंटे पानी देते हैं।

रात में बार-बार नींद टूटना हो सकता है इन गंभीर बीमारियों का संकेत, हो जाएं सतर्क

रात में बार-बार नींद टूटना एक सामान्य समस्या है, जिससे कई लोग परेशान रहते हैं। ऐसा होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे थकान, तनाव आदि। मगर कई बार ये किसी गंभीर बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। एक स्वस्थ शरीर के लिए सात से आठ घंटे की अच्छी नींद बहुत जरूरी है। मगर अक्सर ये देखने को मिलता है कि बहुत से लोगों की रात में सोते समय कई बार नींद खुलती है। चिकित्सा विज्ञान में इस स्थिति को 'स्लीप फ्रैगमेंटेशन' कहा जाता है। ज्यादातर लोग रात में नींद खुलने को सामान्य तनाव या प्यास लगने जैसी छोटी बात समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार यह आदत आपके शरीर के भीतर पनप रही गंभीर बीमारियों का शुरूआती संकेत हो सकती है। बार-बार नींद टूटना न सिर्फ आपकी मानसिक एकाग्रता को प्रभावित करता है। जब आपको गहरी नींद नहीं मिलती, तो शरीर को खुद को ठीक करने का समय नहीं मिलता, जिससे आपकी इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है और आप संक्रमणों और बीमारियों के प्रति ज्यादा संवेदनशील हो जाते हैं। इसलिए अगर आप भी रात में बार-बार जाग रहे हैं, तो यह समय सतर्क होने का है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

स्लीप एपनिया और श्वसन संबंधी समस्याएं

नींद टूटने का एक सबसे प्रमुख और गंभीर कारण ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया है। इसमें सोते समय सांस लेने की नली में बार-बार रुकावट आती है, जिससे ऑक्सीजन का लेवल गिर जाता है और मस्तिष्क शरीर को जगा देता है ताकि आप फिर से सांस ले सकें। अगर आपको रात में अचानक सांस फूलने या भारी खर्राटों के साथ जागने की समस्या है, तो यह सीधा संकेत है कि आपके फेफड़ों और श्वसन तंत्र को तत्काल जांच की जरूरत है।

हृदय रोग और डायबिटीज का सीधा संबंध

बार-बार नींद खुलने का सीधा संबंध हृदय स्वास्थ्य से है। गहरी नींद न मिलने से शरीर में 'स्ट्रेस हार्मोन' कोर्टिसोल का लेवल बढ़ जाता है, जो सीधे तौर पर हाई ब्लड प्रेशर और अनियमित दिल की धड़कन का कारण बनता है। इसके अलावा नींद की कमी इंसुलिन रेजिस्टेंस को बढ़ाती है, जिससे खून में शूगर का लेवल अनियंत्रित हो जाता है। अगर आपको रात में बार-बार पेशाब जाने की वजह से जागना पड़ रहा है, तो यह टाइप-2 डायबिटीज का लक्षण हो सकता है।

मानसिक स्वास्थ्य और 'रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम'

मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद नींद को बाधित करने वाले सबसे बड़े कारक हैं। इसके अलावा कई लोग 'रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम' से जूझते हैं, जिसमें सोने के दौरान पैरों में अजीब सी बेचैनी या झुनझुनी महसूस होती है, जिससे नींद खुल जाती है। यह समस्या अक्सर आयरन की कमी या तंत्रिका तंत्र की गड़बड़ी से जुड़ी होती है।

बेहतर नींद के लिए क्या करें?

रात में कई बार नींद टूटने की समस्या को नजरअंदाज करना आपके भविष्य के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। समय पर बीमारी का पहचान ही आपको बड़ी बीमारियों के इलाज के खर्च और दर्द से बचा सकती है। अपनी 'स्लीप हाइजीन' सुधारें, गैजेट्स से दूर रहें और सोने का एक निश्चित समय तय करें। अगर समस्या दो सप्ताह से अधिक बनी रहे, तो डॉक्टर से मिलकर 'स्लीप स्टडी' जरूर कराएं।

बाजार की गजक नहीं, इस मकर संक्रांति कुछ चीजों से तैयार करें मूंगफली और गुड़ की पट्टी

अगर आप तिल-गुड़ की गजक मकर संक्रांति के मौके पर नहीं खाना चाहते तो तैयार करें गुड़ और मूंगफली की पट्टी... यहां उसकी आसान रेसिपी आपको दी गई है। मकर संक्रांति का त्योहार आते ही बाजारों से लेकर घरों में तिल, गुड़ और मूंगफली से बनी मिठाइयों की खुशबू फैलने लगती है। इस दिन तिल-गुड़ खाना शुभ माना जाता है, लेकिन अगर आप हर साल एक जैसी गजक खाकर बोर हो गए हैं या कुछ अलग और हेल्दी ट्राई करना चाहते हैं, तो गुड़ और मूंगफली की पट्टी एक बेहतरीन विकल्प है। ये स्वाद में लाजवाब होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होती है। गुड़ में आयरन और मूंगफली में प्रोटीन व हेल्दी फैट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो ठंड के मौसम में शरीर को ऊर्जा देते हैं। खास बात ये है कि इसे बनाना बेहद आसान है और इसके लिए ज्यादा सामग्री या समय की जरूरत नहीं होती। तो आइए आपको गुड़ की पट्टी बनाने की विधि बताते हैं।

गुड़ और मूंगफली की पट्टी बनाने की आसान रेसिपी

मूंगफली झ 1 कप

गुड़ झ 1 कप

घी झ 1 छोटा चम्मच

विधि

गुड़ और मूंगफली की पट्टी बनाने के लिए सबसे पहले 1 कप मूंगफली को छीलकर धीमी आंच पर हल्का भून लें।

इसके बाद एक कड़ाही में 1 छोटा चम्मच घी डालकर उसमें गुड़ डालें और धीमी आंच पर पिघलाएं।

गुड़ को लगातार हिलाते रहें ताकि वह जले नहीं और अच्छी तरह से पिघल जाए।

जब गुड़ पूरी तरह पिघल जाए और एक तार जैसी चाशनी बन जाए, तब इसमें आधा चम्मच इलायची पाउडर डालें।

अब इसमें भुनी हुई मूंगफली डालकर अच्छे से मिला लें, ताकि गुड़ और मूंगफली एक समान रूप से मिक्स हो जाए।

अब इस मिश्रण को पहले से घी लगी हुई थाली में डालें और बेलन की मदद से हल्का दबाकर बराबर फैला दें।

ठंडा होने से पहले चाकू की मदद से मनचाहे आकार में टुकड़ों में काट लें।

कुछ ही मिनटों में स्वादिष्ट, क्रंची और हेल्दी गुड़-मूंगफली की पट्टी तैयार हो जाएगी

पोंगल के खास रंगोली डिजाइन आइडिया, मानो आंगन में उतर आई हो परंपरा

पोंगल पर घर की सजावट के लिए खूबसूरत रंगोली डिजाइन बनाने के लिए यहां कुछ शानदार आइडिया बताए जा रहे हैं। इस वर्ष पोंगल 14 जनवरी को मनाया जा रहा है। पोंगल पर घर और धरती को सजाकर धन्यवाद कहने की परंपरा है। पोंगल पर घर के आंगन, द्वार और मंदिर को रंगोली के जरिए सजाया जाता है। रंगोली सजावट का पारंपरिक तरीका है, जो संस्कृति, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। दक्षिण भारत में आंगन के सामने बनाई जाने वाली रंगोली को कोलम कहा जाता है, जो कि सुबह की पहली प्रार्थना मानी जाती है। यही कारण है कि डिजिटल दौर में भी जमीन पर रंग बिरंगी रेखाएं खींचकर रंगोली से सजावट की जाती है। रंगोली में वक्त के साथ कई बदलाव देखने को मिले। साल 2026 के पोंगल रंगोली डिजाइन में भी कुछ नयापन आ गया है। इस साल भारी भरकम पैटर्न की जगह मिनिमल, सॉफ्ट और प्रकृति से प्रेरित डिजाइन ट्रेंड में हैं। चावल के आटे से बनी सादी सफेद कोलम में हल्के पीले, हरे और मिट्टी जैसे रंग मिलाकर लोग घर के द्वार को शुभता से भर रहे हैं। सूर्य, गन्ना, मटका, कमल और ज्यामितीय आकृतियां, ये सभी पोंगल की आत्मा को दर्शाते हैं। अगर आप भी पोंगल पर रंगोली या कोलम से घर के आंगन को सजाना चाहती हैं तो यहां इस वर्ष पोंगल रंगोली के लेटेस्ट डिजाइन के कुछ आइडिया बताए जा रहे हैं।

पोंगल पर इस तरह की रंगोली डिजाइन बना सकती हैं। इसमें गाय, मटके में दूध, ईख, गन्ना और पतंग की आकृति बना सकते हैं। रंग बिरंगी इस तरह की आकृति पोंगल की रंगोली डिजाइन में खूबसूरत लगती है।

साधारण लेकिन प्रभावी रंगोली डिजाइन के लिए ये आकृति काफी आकर्षक है। सिर्फ दो से तीन रंगों से इस तरह की सिंपल लेकिन खूबसूरत रंगोली डिजाइन बना सकते हैं।

माता-पिता हैं डायबिटिक तो जरूर बरतें ये सावधानियां, वरना आप भी हो सकते हैं शिकार

अक्सर ऐसा देखने को मिलता है कि जिसके परिवार में किसी को भी पहले से डायबिटीज की समस्या होती है, उनके आने वाले जनरेशन वाले लोग अगर सावधानी न बरतें तो बहुत कम उम्र में ही डायबिटीज के शिकार हो जाते हैं। डॉक्टर ने इस लेख में इसी से बचने कुछ तरीके बताए हैं, जिसे आपको भी जानना चाहिए। आजकल की जीवनशैली में डायबिटीज, हाई बीपी और थायराइड जैसी बीमारियां घर-घर की कहानी बन गई हैं। विशेष रूप से अगर आपके माता-पिता इन बीमारियों से जूझ रहे हैं, तो आपके लिए जोखिम और भी बढ़ जाता है। प्रसिद्ध डॉक्टर मल्हार गणला ने इसी विषय पर सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है उन्होंने बताया है कि जेनेटिक रिस्क वाले लोगों के लिए 'प्रोटीन पाउडर' एक दवा की तरह काम कर सकता है, उन्हें इसका सेवन जरूर करना चाहिए। अक्सर लोग प्रोटीन सप्लीमेंट को 'आर्टिफिशियल' कहकर इससे परहेज करते हैं, लेकिन डॉक्टर मल्हार का तर्क है कि 30 की उम्र के बाद जिन दवाओं को आप मजबूरी में खाएंगे, वे भी आर्टिफिशिय ही होती हैं और

फैक्ट्रियों में ही बनती हैं। हमारे शरीर को रोजाना लगभग 80 ग्राम प्रोटीन की जरूरत होती है, जिसमें से केवल 40 ग्राम ही हम प्राकृतिक डाइट से ले पाते हैं। शेष 40 ग्राम की कमी को पूरा करने के चक्कर में शाकाहारी लोग अक्सर दाल, पनीर और मेवे ज्यादा खाने लगते हैं, जिससे शरीर में अतिरिक्त कैलोरीज का बोझ बढ़ जाता है। यही अतिरिक्त कैलोरी फैट बनकर इंसुलिन रेजिस्टेंस पैदा करती है और जो आपको डायबिटीज की ओर धकेल देती है।

शाकाहारी स्रोतों का 'कैलोरी लोड' और प्रोटीन की कमी

डॉक्टर मल्हार के अनुसार, शाकाहारी भोजन से 80 ग्राम प्रोटीन का लक्ष्य पूरा करना बहुत मुश्किल है। अगर आप डाइट से अतिरिक्त 40 ग्राम प्रोटीन ढूंढते हैं, तो उसके साथ मिलने वाला कैलोरी लोड आपके शरीर को फैट के रूप में जमा होने लगते हैं। उदाहरण के लिए, 40 ग्राम प्रोटीन 'व्हे आइसोलेट' से लेने पर मात्र 160 कैलोरी मिलती है, लेकिन वही मात्रा अगर आप दाल, डेयरी, ड्राई फ्रुट्स, सोया से लेंगे तो पर लगभग 570 कैलोरी आपके शरीर में जमा होता है। यह 500 एक्स्ट्रा कैलोरी आपके शरीर में फैट के रूप में इकट्ठा होता है और हर दिन शरीर पर बोझ बनकर मेटाबॉलिक बीमारियों को जन्म देती है।

प्रोटीन पाउडर बनाम प्राकृतिक स्रोत

डॉक्टर मल्हार ने आंकड़ों के जरिए समझाया है कि व्हे आइसोलेट प्रोटीन का सबसे प्रभावी स्रोत है क्योंकि इसमें प्रति ग्राम प्रोटीन पर केवल 4 कैलोरी होती है। इसके विपरीत, चना, फलियां और डेयरी उत्पादों में प्रोटीन के साथ कार्बोहाइड्रेट और फैट का भारी मिश्रण होता है। जहां दालों में 100 कैलोरी में सिर्फ 7 ग्राम प्रोटीन मिलता है, वहीं मेवे बहुत कैलोरी डेंस होते हैं। शाकाहारी स्रोतों से प्रोटीन पूरा करने की कोशिश में हम अनजाने में मोटापे और शुगर को न्योता दे देते हैं।

नॉन-वेजिटेरियन और वेजिटेरियन के लिए अलग सलाह

डॉक्टर का कहना है कि अगर आप मांसाहारी हैं, तो जिस दिन आप चिकन या मछली खाते हैं, उस दिन सप्लीमेंट की जरूरत नहीं पड़ती क्योंकि नॉन-वेज में प्रोटीन डेंसिटी ज्यादा होती है। लेकिन शुद्ध शाकाहारियों के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण है। वेजीटेरियन डाइट में प्रोटीन के साथ कार्ब्स का आना अनिवार्य है, जिसे 30 की उम्र के बाद शरीर संभाल नहीं पाता। इसलिए अस्पताल में भर्ती होने का इंतजार करने के बजाय अभी से 30-40 ग्राम प्रोटीन सप्लीमेंट के जरिए लेना शुरू करना एक समझदारी भरा कदम है।

क्या करें?

यह समझना जरूरी है कि प्रोटीन केवल बॉडी बनाने के लिए नहीं, बल्कि शरीर के सुचारू कामकाज और बीमारियों से बचाव के लिए जरूरी है। डॉक्टर मल्हार की सलाह स्पष्ट है कि अगर आपके परिवार में मेटाबॉलिक बीमारियों का इतिहास है, तो प्रोटीन की कमी को नजरअंदाज न करें। आइसोलेटेड प्रोटीन सोर्स आपकी डाइट को संतुलित रखते हैं और अतिरिक्त कैलोरी के बोझ से बचाते हैं। अपनी सेहत के प्रति जागरूक बनें और उम्र के तीसरे दशक में ही सही सप्लीमेंट का चुनाव कर खुद को सुरक्षित करें।

गैस की दुश्मन है ये दाल, इसे खाते ही मिनटों में पेट को मिल जाएगा आराम

अगर आप अक्सर गैस, भारीपन या बदहजमी से परेशान रहते हैं, तो आपकी थाली में पीली मूंग दाल की जगह साबुत हरी मूंग शामिल करना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। न्यूट्रिशन एक्सपर्ट्स के मुताबिक, साबुत मूंग पाचन तंत्र के लिए ज्यादा हल्की और

फायदेमंद मानी जाती है। चलिए जानते है इस दाल को खाने के 5 बड़े फायदे

ज्यादा फाइबर, बेहतर पाचन

साबुत हरी मूंग में घुलनशील और अघुलनशील फाइबर दोनों पाए जाते हैं। यह आंतों की सफाई में मदद करती है, कब्ज से राहत दिलाती है, गट हेल्थ मजबूत करती है। जबकि पीली मूंग दाल में प्रोसेसिंग के कारण फाइबर कम हो जाता है।

नेचुरल एंजाइम्स से भरपूर

ग्रीन मूंग में मौजूद प्राकृतिक एंजाइम्स भोजन को आसानी से पचाने में मदद करते हैं। ये एंजाइम्स गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग की समस्या को कम करते हैं।

गट बैक्टीरिया को करता है मजबूत

साबुत मूंग प्रीबायोटिक की तरह काम करती है, जिससे अच्छे बैक्टीरिया बढ़ते हैं। इससे, पाचन सुधरता है, इम्युनिटी मजबूत होती है और आंतों की सूजन कम होती है

लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स

ग्रीन मूंग का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कमहोता है, जिससे ब्लड शुगर धीरे बढ़ती है, पेट लंबे समय तक भरा रहता है ओवरईटिंग नहीं होती

हल्की होने के बावजूद पोषण से भरपूर

साबुत हरी मूंग में हाई प्रोटीन, आयरन, मैग्नीशियम, पोटैशियम होता है, जो पेट पर बोझ डाले बिना शरीर को एनर्जी देता है।

हरी मूंग दाल को खाने का तरीका

इसे रातभर भिगोकर पकाएं या फिर अंकुरित रूप में लें। इसे जीरा, हींग और अदरक के साथ पकाएं, ज्यादा तेल और मसालों से बचें। अगर आप हल्का, हेल्दी और पचने में आसान विकल्प चाहते हैं, तोपीली मूंग दाल की जगह साबुत हरी मूंग को डाइट में शामिल करें। यह पाचन ही नहीं, बल्कि ओवरऑल हेल्थ के लिए भी फायदेमंद है।

बार-बार नाक में उंगली डालते हैं तो तुरंत बदल लें ये आदत, वरना जान को हो सकता है खतरा!

नाक में उंगली डालना भले ही कई लोगों को मामूली आदत लगे, लेकिन यह सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। यह आदत न सिर्फ नाक की अंदरूनी परत को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि गंभीर संक्रमण के जरिए दिमाग तक खतरा पैदा कर सकती है। कुछ मामलों में यह स्थिति जानलेवा भी हो सकती है। अगर आपको भी

बार-बार नाक खुजलाने या उंगली डालने की आदत है, तो इसे तुरंत छोड़ देना ही बेहतर है।

नाक में उंगली डालने की आदत क्या है?

मेडिकल भाषा में नाक में बार-बार उंगली डालने की आदत को राइनोटिलेक्सोमेनिया कहा जाता है। यह एक तरह की बैड हैबिट मानी जाती है, जो धीरे-धीरे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकती है।

नाक में उंगली डालने के बड़े नुकसान

इंफेक्शन का खतराः हाथों में मौजूद बैक्टीरिया और जर्म्स सीधे नाक के अंदर पहुंच जाते हैं, जिससे नेजल और फंगल इंफेक्शन हो सकता है।

नाक की परत को नुकसानः नाखून लगने से नाक की नाजुक परत कट सकती है। इससे घाव बनते हैं और उनमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं।

खतरनाक बैक्टीरिया का खतराः नाक में मौजूद स्टैफिलोकोकस बैक्टीरिया शरीर में फैल सकता है, जो निमोनिया, हड्डियों की बीमारी और गंभीर संक्रमण का कारण बन सकता है। कुछ रिसर्च में इसे डिमेंशिया और अल्जाइमर से भी जोड़ा गया है।

नाक में सूजन और घावः बार-बार उंगली डालने से नाक में सूजन, जख्म और लगातार दर्द की समस्या हो सकती है।

नाक से खून आनाः नाजुक रक्त वाहिकाएं फट सकती हैं, जिससे बार-बार नोज ब्लीड होने लगता है।

चीन का चौंकाने वाला मामला

हाल ही में चीन के शानक्सी प्रांत के जियानयांग शहर से एक गंभीर मामला सामने आया। एक व्यक्ति को बार-बार नाक खुजलाने और उंगली डालने की आदत थी। एक दिन अचानक उसकी नाक से तेज ब्लीडिंग शुरू हो गई, जो किसी भी तरह नहीं रुक रही थी। परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने बताया कि उसकी चेहरे की धमनी फट गई है। स्थिति इतनी गंभीर थी कि तुरंत इमरजेंसी सर्जरी करनी पड़ी। डॉक्टरों के मुताबिक, अगर समय पर इलाज न मिलता तो उसकी जान भी जा सकती थी।

क्या नाक में उंगली डालने से मौत का खतरा होता है?

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बार-बार नाक खुजलाने या उंगली डालने से नाक की श्लेष्मा झिल्ली को गंभीर नुकसान पहुंचता है। इससे नाक के अंदर मौजूद रक्त वाहिकाएं कमजोर हो जाती हैं और कभी-कभी धमनी फटने जैसी स्थिति बन सकती है। बहुत गंभीर मामलों में यह संक्रमण दिमाग तक पहुंच सकता है, जो जानलेवा साबित हो सकता है।

गो सेवा से लखपति बनी झांसी की प्रवेश कुमारी

लखनऊ (संवाददाता)। बुंदेलखंड की धरती अब न केवल शौर्य के लिए बल्कि महिला उद्यमिता के रूप में भी पहचानी जा रही है। झांसी की प्रवेश कुमारी ने चारा बनाने की यूनिट के जरिये वह मुकाम हासिल किया है, जो आज लाखों महिलाओं के लिए उदाहरण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के श्आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेशश के सपने को धरातल पर उतारते हुए प्रवेश ने सौर ऊर्जा की मदद से उच्च गुणवत्ता वाले पशु चारे की यूनिट स्थापित कर न केवल खुद को आर्थिक रूप से सशक्त किया बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी रोजगार से जोड़ा है इस उद्यम की सबसे बड़ी विशेषता इसका ईको-फ्रेंडली होना है। योगी सरकार और डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के सहयोग से स्थापित यह यूनिट पूरी तरह 18 केडब्ल्यू सौर ऊर्जा प्रणाली पर संचालित होती है। इससे बिजली का खर्च शून्य के बराबर है, जिससे चारे की उत्पादन लागत कम आती है। सस्ता और पोषक चारा मिलने से स्थानीय डेयरी किसानों के पशुओं का स्वास्थ्य सुधरा है और दूध उत्पादन क्षमता में भी इजाफा हुआ है। प्रवेश कुमारी आज करीब 25,000 रुपये प्रति माह कमा रही हैं। उनके इस स्टार्टअप ने गांव की सामाजिक संरचना को भी बदला है। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार भी बढ़ा है।

भारत में विश्वकप के मैच नहीं खेलने की मांग पर अड़ा बीसीबी, आईसीसी से बातचीत का दौर जारी

नई दिल्ली। आईसीसी के साथ मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हुई बैठक में बीसीबी ने एक बार फिर पुराना राग अलापा। उनकी तरफ से फिर भारत में सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई, जिस पर आईसीसी ने उन्हें मैच शिफ्ट करने की मांग पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) भारत में टी20 विश्व कप 2026 के मुकाबले नहीं खेलने की मांग पर अड़ा है। बोर्ड ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भले ही उनकी मांग को मानने से इनकार कर दिया है, लेकिन बांग्लादेश का रुख वही रहेगा और दोनों पक्ष संभावित समाधान खोजने की कोशिश करते रहेंगे। बता दें कि, सोमवार को समाचार एजेंसी एएनआई ने आईसीसी सूत्रों के हवाले से कहा था कि आगामी विश्व कप का कार्यक्रम तैयार हो चुका है और सभी टीमों को उसके अनुसार ही खेलना होगा। वहीं, खेल की वैश्विक संस्था ने भारत में सुरक्षा व्यवस्था का भरोसा जताया। आईसीसी के

साथ बैठक में बीसीबी ने फिर अलापा पुराना राग आईसीसी ने मंगलवार को बीसीबी से भारत में विश्व कप मुकाबले नहीं खेलने की मांग पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया, लेकिन बांग्लादेश ने पीछे हटने से इनकार कर दिया और अपनी सुरक्षा चिंताओं को दोबारा दोहराया।बीसीबी ने कहा, 'आईसीसी ने बताया कि टूनार्मेंट का कार्यक्रम पहले ही घोषित किया जा चुका है और बीसीबी से अपने रुख पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया है, लेकिन बोर्ड का रुख अपरिवर्तित है। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि संभावित समाधान खोजने के लिए बातचीत जारी रहेगी।' मंगलवार को आईसीसी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस में बीसीबी की तरफ से उसके अध्यक्ष अमिनुल इस्लाम और सीईओ निजाम उद्दीन चौधरी के साथ-साथ दूसरे सीनियर अधिकारी भी शामिल हुए। इस दौरान बीसीबी ने आगे कहा, 'आईसीसी के साथ मिलकर इस मामले को सुलझाने के लिए काम करते हुए बीसीबी अपने खिलाड़ियों, अधिकारियों और स्टाफ की भलाई की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।' हालांकि, बीसीबी का अनुमान है कि उसके खिलाड़ियों के लिए भारत जाना सुरक्षित नहीं है, लेकिन आईसीसी की रिस्क असेसमेंट रिपोर्ट में टूनार्मेंट में हिस्सा लेने पर टीम के लिए किसी खास या सीधे खतरे का जिक्र नहीं किया गया है। भारत में नहीं खेलने की मांग पर अड़ा बीसीबी बीसीबी ने आगे कहा, 'आईसीसी से चर्चा के दौरान बोर्ड ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत न जाने के अपने फैसले पर फिर से जोर दिया। बोर्ड ने आईसीसी से यह अनुरोध भी दोहराया कि बांग्लादेश के मैचों को भारत से बाहर किसी दूसरी जगह पर करवाने पर विचार किया जाए।' बांग्लादेश लीग स्टेज के दौरान कोलकाता में तीन और मुंबई में एक मैच खेलेगा।

शिखर धवन और विराट कोहली को पीछे छोड़ने के करीब श्रेयस, इतने रन बनाते ही बना लेंगे ये रिकॉर्ड

राजकोट। श्रेयस अय्यर ने चोट से उबरकर शानदार तरीके से मैदान पर वापसी की है। अब उनके पास न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच के दौरान बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका है। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच के दौरान एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। अगर श्रेयस ऐसा करने में सफल रहे तो वह विराट कोहली और शिखर धवन को पीछे छोड़ देंगे। श्रेयस ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी और वडोदरा में खेले गए मैच में 47 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 49 रन बनाए थे। श्रेयस का वनडे में रिकॉर्ड श्रेयस के वनडे में 68 पारियों में 47.83 के औसत से 2966 रन हैं जिसमें पांच शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। श्रेयस अगर 34 रन और बना लेते हैं तो वह वनडे में सबसे तेजी से 3000 रन पूरे करने वाले भारतीय बन जाएंगे। फिलहाल ये रिकॉर्ड शिखर धवन के नाम है जिन्होंने 72 पारियों में वनडे में 3000 रन पूरे किए थे, जबकि कोहली ने 75 पारियों में ऐसा किया था। विवियन रिचर्ड्स की बराबरी करने का मौका अगर श्रेयस दूसरे वनडे मैच के दौरान वनडे में 3000 रन पूरे करने में सफल रहे तो वह ऐसा करने वाले दुनिया के चौथे सबसे तेज बल्लेबाज होंगे और इस मामले में विवियन रिचर्ड्स की बराबरी कर लेंगे। ओवरऑल ये रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला के नाम है जिन्होंने 57 वनडे पारियों में 3000 रन पूरे किए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच के दौरान श्रेयस ने तीसरे विकेट के लिए विराट कोहली के साथ 77 रनों की साझेदारी की थी जिससे भारत 301 रन का पीछा करने में सफल रहा था। चोट के बाद की थी वापसी श्रेयस को पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोट लगी थी जिस कारण वह मैदान से बाहर रहे थे। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलकर मैदान पर वापसी की थी। श्रेयस ने हिमाचल प्रदेश के खिलाफ टीम की कमान संभाली और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 53 गेंदों पर 82 रन बनाए। श्रेयस को इस दौरान बल्लेबाजी करते वक्त कोई दिक्कत नहीं हुई और उन्होंने अपनी फिटनेस साबित की। इस मैच के बाद श्रेयस को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से फिटनेस सर्टिफिकेट मिला और न्यूजीलैंड सीरीज में खेलने की मंजूरी मिल गई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच अब बुधवार को दूसरा वनडे मैच खेला जाएगा जहां भारतीय टीम की नजरें सीरीज अपने नाम करने पर टिकी होंगी।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 250 अंक टूटा, निफ्टी 26800 के नीचे

नई दिल्ली। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। वैश्विक टैरिफ संबंधी चिंताओं के बीच विदेशी निधियों की निरंतर निकासी और ब्लू-चिप शेयरों में बिकवाली के चलते मंगलवार को एक दिन की राहत के बाद इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी निचले स्तर पर बंद हुए। व्यापारियों के अनुसार, आय सत्र की कमजोर शुरूआत के कारण बाजार का माहौल भी सुस्त था। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 250.48 अंक या 0.30 प्रतिशत गिरकर 85,627.69 अंक पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 615.38 अंक या 0.73 प्रतिशत गिरकर 83,262.79 पर पहुंच गया था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 57.95 अंक या 0.22 प्रतिशत गिरकर 26,732.30 पर बंद हुआ। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 4 पैसे गिरकर 90.21 (अस्थायी) पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से ट्रेंट, लार्सन एंड टुब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंटरग्लोब एविएशन, मारुति, आईटीसी, अदानी पोर्ट्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स सबसे पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। वहीं, इटरनल, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लाभ कमाने वालों में शामिल थे। टीसीएस के मुनाफे में आई 14 प्रतिशत की गिरावट देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा निर्यातक कंपनी टीसीएस ने सोमवार को दिसंबर तिमाही में अपने मुनाफे में 13.91 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की, जो कि 10,657 करोड़ रुपये रहा। यह गिरावट मुख्य रूप से नए श्रम कानूनों के एकमुश्त प्रभाव के कारण हुई। खुदरा महंगाई तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंची इस बीच, खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में तीन महीने के उच्चतम स्तर 1.33 प्रतिशत पर पहुंच गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि थी, लेकिन

यह भारतीय रिजर्व बैंक के निम्नतम सहनशीलता स्तर से नीचे रही। ट्रंप ने ईरान के व्यापारिक साझेदारों पर दी टैरिफ लगाने की धमकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश को वाशिंगटन के साथ अपने व्यापार पर 25 प्रतिशत टैरिफ का भुगतान करना होगा, एक ऐसा कदम जो भारत, चीन और यूएई जैसे तेहरान के प्रमुख व्यापारिक भागीदारों को प्रभावित कर सकता है। टैरिफ संबंधी चिंताओं ने बाजार पर डाला असर ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि साप्ताहिक समाप्ति पर भारतीय शेयर बाजारों में दिन भर में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। शुरूआती बढ़त सत्र के आगे बढ़ने के साथ ही मुनाफावसूली में तब्दील हो गई। वैश्विक टैरिफ संबंधी चिंताओं, तीसरी तिमाही के नतीजों पर मिली-जुली प्रतिक्रियाओं और समाप्ति से प्रेरित सामान्य उतार-चढ़ाव ने शुरूआती आशावाद को धूमिल कर दिया। यूरोपीय बाजारों में रहा मिला-जुला रुख एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक गिरावट के साथ समाप्त हुआ। निक्केई 225 सूचकांक में 3 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। यूरोप के बाजारों में मिले-जुले रुख के साथ कारोबार हो रहा था। सोमवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए।

वेनेजुएला संकट का तेल की कीमतों पर सीमित असर; रूस से आयात में आई गिरावट

नई दिल्ली। क्रिसिल रेटिंग्स के अनुसार वेनेजुएला में अस्थिरता के बावजूद कच्चे तेल की कीमतों पर फिलहाल बड़ा असर नहीं पड़ा है और भारत पर भी इसका प्रभाव सीमित है। वहीं दिसंबर 2025 में रूसी तेल आयात घटने से भारत तीसरे सबसे बड़े खरीदार के स्थान पर आ गया है। आइए विस्तार से जानते हैं। वेनेजुएला में हालिया घटनाक्रम का कच्चे तेल की कीमतों पर निकट अवधि में कोई बड़ा असर पड़ने की संभावना नहीं है। क्रिसिल रेटिंग्स ने यह दावा किया है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक आपूर्ति में वेनेजुएला की हिस्सेदारी बेहद कम है। इसमें कहा गया है कि भले ही हालात बिगड़ें और उत्पादन प्रभावित हो, तब भी कीमतों पर प्रभाव सीमित रहेगा। जनवरी की शुरूआत में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादूरो की गिरफ्तारी से देश में अनिश्चितता बढ़ी है। वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़े सिद्ध कच्चे तेल भंडारों में से एक है, लेकिन वैश्विक आपूर्ति में उसका योगदान करीब 1.5% ही है। इस बीच ब्रेंट क्रूड के दाम 60 डॉलर प्रति बैरल से थोड़ा ऊपर स्थिर बने हुए हैं। भारत पर असर सीमित क्रिसिल ने कहा कि भारत के लिए भी वेनेजुएला के घटनाक्रम का व्यापार या कंपनियों की क्रेडिट क्वालिटी पर कोई खास असर नहीं दिखता। भारत के कुल आयात में वेनेजुएला से आने वाला हिस्सा 0.25% से कम है। वित्त वर्ष 2025 में करीब 14,000 करोड़ रुपये के आयात में 90% से अधिक कच्चा तेल था, जबकि वेनेजुएला भारत की कुल कच्चे तेल जरूरत का लगभग 1% ही सप्लाई करता है। हालांकि, एजेंसी ने यह भी जोड़ा कि मध्यम से लंबी अवधि में अगर वेनेजुएला के बड़े अप्रयुक्त भंडारों में निवेश बढ़ता है, तो वैश्विक आपूर्ति बढ़ सकती है और इससे तेल कीमतें नरम पड़ना भारतीय कंपनियों के लिए सकारात्मक हो सकता है। रूस से तेल आयात घटा, भारत तीसरे नंबर पर इसी बीच, एक यूरोपीय थिंक टैंक ऊर्जा और स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र (सीआरईए) की रिपोर्ट में कहा गया कि दिसंबर 2025 में भारत रूसी जीवाश्म ईंधन का तीसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया। इससे पहले भारत दूसरे स्थान पर था। दिसंबर में भारत का रूसी हाइड्रोकार्बन आयात 2.3 अरब यूरो रहा, जो नवंबर के 3.3 अरब यूरो से कम है। तुर्किये ने भारत को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि चीन शीर्ष पर बना रहा। सीआरईए के अनुसार, दिसंबर में भारत के रूसी आयात में 78% हिस्सा कच्चे तेल का था (1.8 अरब यूरो), जबकि कोयला और तेल उत्पादों का हिस्सा शेष रहा। नवंबर की तुलना में रूसी कच्चे तेल का आयात महीने-दर-महीने 29% घटकर प्राइस कैप नीति लागू होने के बाद के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया। रिलायंस और पीएसयू रिफाइनरियों ने की कटौती रिपोर्ट में कहा गया कि आयात में यह गिरावट मुख्य रूप से रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर रिफाइनरी के कारण आई। इसने दिसंबर में रूस से आयात आधा कर दिया। रिलायंस की आपूर्ति रूस की रोसनेफ्ट से थी, जो अमेरिकी विदेश संपत्ति नियंत्रण कार्यकाल (ओएफएसी) प्रतिबंध लागू होने से पहले खरीदे गए कार्गो पर आधारित थी। इसके अलावा, सार्वजनिक क्षेत्र की रिफाइनरियों ने भी दिसंबर में रूसी आयात 15% घटाया। अमेरिका द्वारा रूस की प्रमुख तेल कंपनियों पर लगाए गए प्रतिबंधों के चलते कुछ भारतीय रिफाइनरियों ने आयात रोक या कम कर दिया है, जबकि गैर-प्रतिबंधित रूसी कंपनियों से खरीद जारी है।

ट्रंप की धमकियों के खिलाफ एकजुट हुए दुनिया के दिग्गज बैंकर्स, जेरोम पॉवेल को मिला इन देशों का साथ

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल के बीच विवाद गहराया। ईसीबी और बैंक ऑफ इंग्लैंड समेत दुनिया के नौ बड़े केंद्रीय बैंकों ने पॉवेल की स्वायत्तता का समर्थन किया। जानिए क्यों फेड की स्वतंत्रता वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) की स्वतंत्रता को लेकर छिड़ा विवाद अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़े कूटनीतिक और आर्थिक मोर्चे में तब्दील हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल के खिलाफ आपराधिक जांच और कानूनी कार्रवाई की धमकियों के बीच, दुनिया भर के शीर्ष केंद्रीय बैंकरों ने पॉवेल के प्रति अपनी 'पूर्ण एकजुटता' जाहिर की। वैश्विक बैंकिंग जगत का यह अप्रत्याशित कदम न केवल पॉवेल का व्यक्तिगत समर्थन है, बल्कि यह केंद्रीय बैंकों की स्वायत्तता को बचाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण करदम है। दुनिया के शीर्ष केंद्रीय बैंक क्यों एक साथ आए? यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) की वेबसाइट पर जारी एक संयुक्त बयान में दुनिया की सबसे प्रभावशाली वित्तीय संस्थाओं के प्रमुखों ने पॉवेल के कार्यकाल और उनकी निष्ठा की सराहना की है। इस बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में यूरोपीय सेंट्रल बैंक की अध्यक्ष क्रिस्टीन लेगार्ड और बैंक ऑफ इंग्लैंड के गवर्नर एंड्रयू बेली जैसे दिग्गज शामिल हैं। इस समर्थन पत्र में शामिल प्रमुख देशों के बैंक प्रमुख इस प्रकार हैं- यूरोप और ब्रिटेनः क्रिस्टीन लेगार्ड (ईसीबी) और एंड्रयू बेली (बैंक ऑफ ऑफ इंग्लैंड)। कॉमनवेल्थ और एशियाः ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और दक्षिण कोरिया के गवर्नर। लैटिन अमेरिकाः ब्राजील के केंद्रीय बैंक के प्रमुख। अंतरराष्ट्रीय निकायः बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) के बोर्ड अध्यक्ष और महाप्रबंधक। फिलहाल बैंक ऑफ जापान इस सूची में शामिल नहीं है, हालांकि बयान में कहा गया है कि आने वाले समय में और भी हस्ताक्षरकर्ता इसमें जुड़ सकते हैं। क्या है ट्रंप-पॉवेल विवाद की जड़? यह विवाद आधिकारिक तौर पर फेड इमारतों के नवीनीकरण की लागत पर पॉवेल की कांग्रेस में दी गई गवाही से शुरू हुआ था, इसकी जांच अब अमेरिकी न्याय विभाग कर रहा है। हालांकि, जेरोम पॉवेल ने इन आरोपों को हमले का बहाना करार दिया है। पॉवेल का सीधा आरोप है कि ट्रंप प्रशासन इस जांच के जरिए फेड की ब्याज दर नीति पर नियंत्रण हासिल करना चाहता है।

क्वार्टर फाइनल में विदर्भ ने दिल्ली को हराया, सेमीफाइनल में बनाई जगह; नचिकेत-हर्ष चमके

बंगलूरू। विदर्भ ने दिल्ली को हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। फाइनल में पहुंचने के लिए विदर्भ का सामना अब कर्नाटक से होगा। यश राठौड़ और अर्थव तायडे की शानदार बल्लेबाजी के बाद निचिकेत भुते की अगुआई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत विदर्भ ने विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दिल्ली को 76 रनों से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। विदर्भ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अर्थन और यश की अर्धशतकीय पारियों से 50 ओवर में नौ विकेट पर 300 रन बनाए। जवाब में दिल्ली की टीम 45.1 ओवर में 224 रन पर ऑलआउट हो गई। दिल्ली के लिए अनुज

रावत ने 66 रन बनाए, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। सेमीफाइनल में कर्नाटक से होगा सामना लक्ष्य का पीछा करते हुए वैभव कांडपाल और प्रियांश आर्या ने दिल्ली को अच्छी शुरूआत दिलाई और दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। नचिकेत ने प्रियांश को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद अगली ही गेंद पर नीतीश राणा को खाता खोले बिना आउट किया। हालांकि, नचिकेत हैट्रिक पूरी नहीं कर सके, लेकिन उन्होंने दिल्ली की लय गड़बड़ा दी। नचिकेत ने चार विकेट लिए, जबकि कप्तान हर्ष दुबे को तीन विकेट मिले। वहीं, प्रफुल हिंगे को दो और यश कदम ने एक विकेट लिए। सेमीफाइनल में अब विदर्भ का सामना 15 जनवरी को कर्नाटक से होगा। ईशांत की कप्तानी में उतरी थी दिल्ली दिल्ली की टीम इस मैच में ईशांत शर्मा की कप्तानी में खेलने उतरी थी। सात वर्ष के बाद उन्होंने टीम की कप्तानी की। ईशांत ने इससे पहले आखिरी बार 2019 में दिल्ली की कप्तानी की थी। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में दिल्ली की कमान संभाली थी। ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में ईशांत को कप्तानी सौंपी गई थी। दिल्ली की टीम में आयुष बदोनी भी नहीं थे जिन्होंने हाल के समय में टीम की कप्तानी की थी। पंत ने ग्रुप स्टेज में टीम की कप्तानी की थी। ईशांत ने इस दौरान लिस्ट ए क्रिकेट में 200 विकेट भी पूरे किए थे। ईशांत ने 25वें ओवर में विदर्भ के सलामी बल्लेबाज अर्थव तायडे को आउट करने के साथ ही 200 विकेट पूरे करने की उपलब्धि हासिल कर ली। हालांकि, उनकी कप्तानी में टीम क्वार्टर फाइनल की बाधा पार नहीं कर सकी।

37 साल के ईशांत शर्मा ने लिस्ट ए क्रिकेट में पूरे किए 200 विकेट, दिल्ली की कमान संभाली

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने लिस्ट क्रिकेट में 200 विकेट पूरे कर लिए हैं। ईशांत ने विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में विदर्भ के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। उन्होंने विदर्भ के खिलाफ मैच में लिस्ट ए क्रिकेट में 200 विकेट भी पूरे कर लिए। 37 साल के ईशांत ने इस दौरान दिल्ली टीम की कमान संभाली। सात वर्ष के बाद उन्होंने टीम की कप्तानी की। ईशांत ने 25वें ओवर में विदर्भ के सलामी बल्लेबाज अर्थव तायडे को आउट करने के साथ ही 200 विकेट पूरे करने की उपलब्धि हासिल कर ली। घरेलू क्रिकेट में प्रभावित कर रहे हैं ईशांत ईशांत के लिस्ट ए क्रिकेट में 200 विकेट में से 115 वनडे में है। ईशांत ने 2007 में वनडे डेब्यू किया था और तब से वह राष्ट्रीय टीम का नियमित रूप से हिस्सा रहे। हालांकि, 2016 से वह इस प्रारूप में नहीं खेले। अपने करियर में ज्यादातर समय वह टेस्ट विशेषज्ञ के रूप में ही खेले। उन्होंने 115 टेस्ट मैचों में 311 विकेट लिए हैं। ईशांत 2021 से टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में प्रभावित कर रहे हैं। सात वर्ष बाद की कप्तानी ईशांत ने इससे पहले आखिरी बार 2019 में दिल्ली की कप्तानी की थी। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में दिल्ली की कमान संभाली थी। इस सीजन में उन्होंने टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। सात मैचों में आठ विकेट लेकर ईशांत का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट चरण में दिल्ली के पहुंचने में उनका अनुभव अमूल्य साबित हुआ है। ईशांत ने क्यों संभाली दिल्ली की कमान? ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में ईशांत को कप्तानी सौंपी गई थी।

ईरान में संघर्ष जारी; जानें भारत के बासमती निर्यात पर कैसे पड़ रहा असर, कारोबारियों ने जताई चिंता

नई दिल्ली। ईरान में जारी अशांति के कारण भारत के बासमती चावल निर्यात पर असर पड़ा है। भुगतान में देरी और ऑर्डर अनिश्चित होने से घरेलू मंडियों में कीमतें गिरी हैं। निर्यातकों को जोखिम कम करने और वैकल्पिक बाजार तलाशने की सलाह दी गई है। ईरान में जारी संघर्ष का सीधा असर भारत के बासमती चावल निर्यात पर दिखने लगा है। भुगतान में देरी, ऑर्डर अनिश्चितता और शिपमेंट शेड्यूल बिगड़ने से निर्यातकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। इसका असर घरेलू मंडियों में कीमतों की तेज गिरावट के रूप में सामने आया है। यह जानकारी इंडियलन राइस एक्सपोर्ट फेडरेशन ने मंगलवार को दी। आईआरईएफ ने निर्यातकों को ईरान से जुड़े अनुबंधों में जोखिम का पुनर्मूल्यांकन करने और सुरक्षित भुगतान तंत्र अपनाने की सलाह दी है। फेडरेशन ने ईरानी बाजार के लिए स्टॉक अधिक मात्रा में रखने से भी आगाह किया है। निर्यात और भुगतान पर दबाव व्यापार आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल-नवंबर के दौरान भारत ने ईरान को 5.99 लाख टन बासमती चावल (मूल्य 468.10 मिलियन डॉलर) का निर्यात किया। ईरान भारत का सबसे बड़ा बासमती गंतव्य रहा है, लेकिन इस वित्त वर्ष में ऑर्डर फ्लो, भुगतान चक्र और शिपमेंट पर बढ़ता दबाव देखा जा रहा है। मंडियों में कीमतें धड़ाम पिछले एक सप्ताह में प्रमुख बासमती किस्मों के दामों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। बासमती 1121 की कीमत 85 रुपये प्रति किलो से घटकर 80 रुपये रह गई, जबकि 1509 और 1718 किस्में 70 रुपये से फिसलकर 65 रुपये प्रति किलो पर आ गईं। निर्यातकों के मुताबिक खरीदारों की हिचक, अनुबंधों में देरी और जोखिम की धारणा बढ़ने से यह गिरावट आई है। आईआरईएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम गर्ग ने कहा कि ईरान लंबे समय से भारतीय बासमती का मजबूत बाजार रहा है, लेकिन मौजूदा आंतरिक उथल-पुथल ने व्यापार चैनल बाधित किए हैं।

हम गांधीजी के नहीं, उनके नाम पर लूट वाली कांग्रेसी योजनाओं के विरोधी- केशव

लखनऊ (संवाददाता)। केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू की अध्यक्षता में विकसित भारत जी राम जी जनजागरण अभियान के कार्यक्रम में पहुंचे उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और खुलकर जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता, सुशासन, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के पथ पर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है।श्री मौर्य ने वीबी जीराम जी के मूल भाव को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह अभियान राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक समरसता, जनभागीदारी को मजबूत करने का माध्यम है।उन्होनें कहा कि मनरेगा 2006 में प्रारंभ हुई।हम महात्मा गांधी जी के विरोधी नहीं, उनके नाम पर लूट करने वाली कांग्रेस की योजनाओं के विरोधी हैं।मनरेगा में 11 लाख करोड़ गड़क गए और विकास नहीं हुआ, हम इसके विरोधी हैं।विकसित भारत, विकसित गॉव की परिकल्पना से प्रेरित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी राम जी 2025 कानून को देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद में पारित कराकर राष्ट्र को समर्पित किया है। यह कानून गरीब, वंचित और श्रमजीवी वर्ग के कल्याण, सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम है।

प्रियंका चोपड़ा ने किया 'द ब्लफ' के निर्देशक फ्रैंक ई. फ्लावर्स का वेलकम

जानिए कौन सा सोशल मीडिया किया ज्वाइन

प्रियंका चोपड़ा की आगामी फिल्म 'द ब्लफ' का धमाकेदार ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ। वहीं आज प्रियंका ने 'द ब्लफ' के निर्देशक फ्रैंक ई. फ्लावर्स का स्वागत इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किया है। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आगामी हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। आज प्रियंका ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर 'द ब्लफ' के निर्देशक फ्रैंक ई फ्लावर्स के साथ अपनी एक खास तस्वीर शेयर की है। इसके साथ ही प्रियंका ने फ्रैंक के लिए एक वेलकम नोट भी लिखा है। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर आगामी एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' के निर्देशक फ्रैंक ई. फ्लावर्स को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है। प्रियंका ने फ्रैंक ई. फ्लावर्स के साथ एक खास तस्वीर इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की, जिसमें प्रियंका फ्लाइंग किस करती नजर आ रही हैं और फ्रैंक उनके साथ सेल्फी खींचते नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर शायद 'द ब्लफ' की शूटिंग के दौरान की है। इस तस्वीर के साथ प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, 'फिल्म 'द ब्लफ' के निर्देशक फ्रैंक आपका इंस्टाग्राम पर स्वागत है।' कब रिलीज होगी 'द ब्लफ'? 19वीं सदी के कैरिबियाई परिवेश पर आधारित एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' में प्रियंका चोपड़ा एक पूर्व समुद्री डाकू, एर्सेल 'ब्लडी मैरी' बॉडेन की भूमिका में हैं। फिल्म 'द ब्लफ' का निर्देशन फ्रैंक ई फ्लावर्स ने किया है। इस फिल्म में प्रियंका के अलावा कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉडोर्वा, सफिया ओकले-ग्रीन और टेमुएरा मॉरिसन भी अहम भूमिकाओं में हैं।

विरोध और आरोपों से टूटीं हर्षा रिछारिया, पुराने प्रोफेशन में लौटने का ऐलान

सनातन धर्म को लेकर दे दिया बड़ा बयान

महाकुंभ और माघ मेले के दौरान चर्चा में आईं हर्षा रिछारिया ने अब आध्यात्मिक मार्ग से दूरी बनाने का ऐलान किया है। सोमवार को जारी एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि महाकुंभ 2025 से शुरू हुई उनकी यह यात्रा अब समाप्त हो रही है। हर्षा

ने साफ कहा कि उन्होंने कोई गलत या अनैतिक कार्य नहीं किया, इसके बावजूद उन्हें लगातार आलोचना, विरोध और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ा। हर्षा रिछारिया इस समय प्रयागराज के माघ मेले में मौजूद हैं और इस बार वह अपने भाई दीपक के साथ पहुंची हैं। वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि जब-जब उन्होंने धर्म के मार्ग पर आगे बढ़ने की कोशिश की, तब-तब उन्हें रोका गया और उनका मनोबल तोड़ा गया। उन्होंने कहा कि किसी महिला के चरित्र पर सवाल उठना बेहद पीड़ादायक होता है और वह किसी तरह की अग्नि परीक्षा देने नहीं आई थीं। हर्षा ने खुलासा किया कि बीते एक वर्ष में उन्हें भारी विरोध झेलना पड़ा है और मौनी अमावस्या के बाद वह आध्यात्मिक मार्ग छोड़कर अपने पुराने प्रोफेशन में लौटेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों ने उन्हें धर्म को धंधा बनाकर करोड़ों कमाने वाला समझ लिया, जबकि हकीकत यह है कि वह आज कर्ज में डूबी हुई हैं। हर्षा रिछारिया मूल रूप से भोपाल की रहने वाली हैं। उनके पिता नौकरी छोड़ चुके हैं, जबकि उनकी मां बुटीक का संचालन करती हैं। हर्षा ने अपने करियर की शुरूआत मॉडल और एंकर के रूप में की थी और इस क्षेत्र में उन्हें अच्छी सफलता भी मिली। हालांकि, बाद में उनका झुकाव आध्यात्म की ओर बढ़ा। उनके सोशल मीडिया अकाउंट धार्मिक स्थलों और आध्यात्मिक गतिविधियों से जुड़े फोटो और वीडियो से भरे हुए हैं। हर्षा आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज की शिष्या रही हैं। उनके इस फैसले ने एक बार फिर धार्मिक और सामाजिक बहस को जन्म दे दिया है।

लाइमलाइट से दूर ऋतिक रोशन ने मनाया 52वां जन्मदिन, एक्स-वाइफ और गर्लफ्रेंड ने साथ दिया पोज

बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन ने इस बार अपना 52वां जन्मदिन बेहद प्राइवेट अंदाज में याच पर सेलिब्रेट किया। कैमरों और मीडिया से दूर हुई इस खास बर्थडे पार्टी में एक खास बात ने सबका ध्यान खींचा ऋतिक की एक्स-

वाइफ सुजैन खान और उनकी गर्लफ्रेंड सबा आजाद एक साथ नजर आईं और दोनों ने साथ में पोज भी दिए। इस प्राइवेट बर्थडे सेलिब्रेशन में ऋतिक के बेटे, उनकी फैमिली, सुजैन की फैमिली और कुछ बेहद करीबी दोस्त ही शामिल हुए। पार्टी में सोनाली बेंद्रे भी अपने परिवार के साथ मौजूद रहीं। इसके अलावा सुजैन के भाई जायद खान और बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी भी इस खास मौके का हिस्सा बने। बर्थडे के बाद ऋतिक रोशन ने पार्टी की कुछ अनसीन तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं, साथ ही एक इमोशनल नोट भी लिखा। इन तस्वीरों पर सुजैन खान का प्यार भरा कमेंट भी सामने आया,गौर करने वाली बात यह है कि भले ही ऋतिक और सुजैन की राहें अलग हो चुकी हों, लेकिन दोनों के बीच सम्मान और दोस्ती आज भी बरकरार है। ऋतिक और सुजैन की शादी साल 2000 में हुई थी और 2013 में दोनों अलग हो गए थे। इसके बाद 2014 में ऑफिशियली तलाक हो गया। उस समय ऋतिक द्वारा दी गई 380 करोड़ की एलिमनी को बी-टाउन का सबसे महंगा तलाक माना गया था। इसके बावजूद ऋतिक ने कभी सुजैन को अपनी खुशियों से दूर नहीं रखा। वह अक्सर उन पार्टियों और फैमिली फंक्शन्स में शामिल होती हैं, जहां ऋतिक अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ मौजूद होते हैं। फिलहाल जहां सुजैन खान अर्सलान गोनी को डेट कर रही हैं, वहीं ऋतिक रोशन सबा आजाद के साथ रिलेशनशिप में हैं।

बहन की शादी से लौटते वक्त चढ़ा कृति का पारा

पैपराजी ने की बॉयफ्रेंड संग कैप्चर करने की कोशिश तो एक्ट्रेस ने दिखाए तेवर

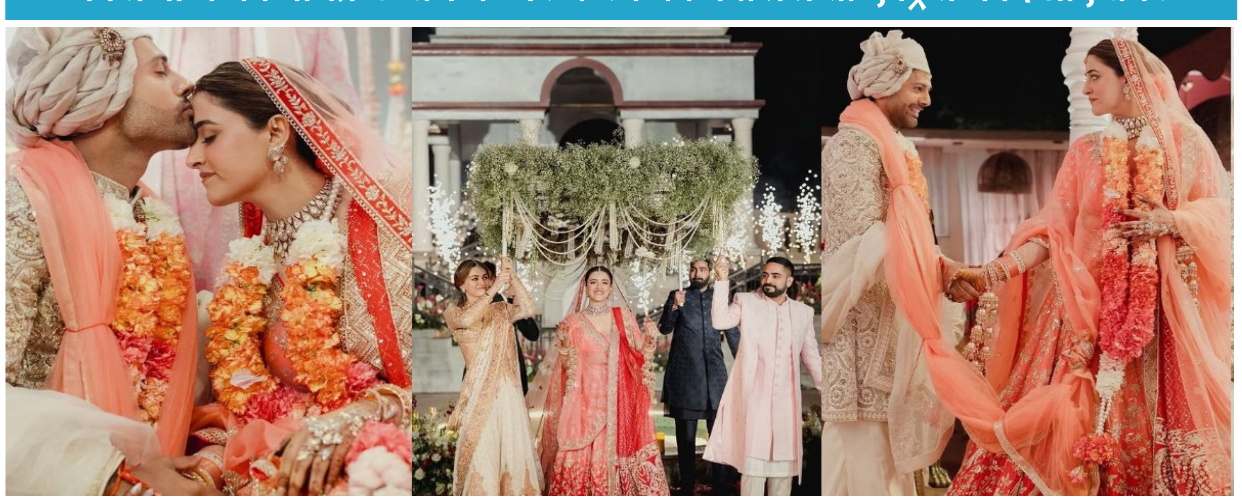

एक्ट्रेस कृति सेनन हाल ही में अपनी छोटी बहन नूपुर सेनन की शादी में शामिल होने के लिए उदयपुर पहुंची थीं, जहां उन्होंने अपनी मौजूदगी और लुक्स को लेकर खूब लाइमलाइट चुराई। वहीं, शादी के बाद अब कृति अपनी फैमिली और न्यूलीवेड कपल संग मुंबई लौट आई हैं। हालांकि, वहां से लौटते वक्त उनका गुस्सा पैपराजी पर फूट पड़ा। एयरपोर्ट से कृति का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। उदयपुर से लौटते वक्त कृति सेनन अपनी फैमिली और कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया संग एयरपोर्ट पर नजर आईं। जैसे ही पैपराजी ने उन्हें अपने कैमरे में कैद करने की लिए उनकी ओर कैमरा घुमाया तो वह असहज हो गईं और नाराजगी जाहिर करते हुए पैप्स को इशारों में फोटो और वीडियो न बनाने के लिए मना किया। इस दौरान उनके चेहरे पर गुस्सा साफ नजर आया, जो कैमरे में कैद हो गया। वहीं कबीर बहिया भी स्थिति को संभालते हुए वहां से आगे बढ़ते दिखाई दिए। कृति सेनन का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो सामने आते ही यूजर्स के रिएक्शन भी आने लगे। कुछ लोगों ने कृति के व्यवहार को गलत ठहराया तो कुछ ने उनकी प्राइवेसी का समर्थन किया। कई यूजर्स ने कमेंट करते हुए लिखा कि अगर कैमरों से दिक्कत है तो पब्लिक जगहों पर सतर्क रहना चाहिए, वहीं कुछ लोगों ने यह भी कहा कि सेलेब्रिटीज को हर वक्त कैमरे के सामने रहने की मजबूरी झेलनी पड़ती है। बता दें कि कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन ने अपने लॉन्गटर्म बॉयफ्रेंड और मशहूर सिंगर स्टेबिन बेन के साथ उदयपुर में शादी रचाई है। कपल ने पहले क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी की और इसके बाद हिंदू परंपराओं के अनुसार सात फेरे लिए। यह शादी तीन दिनों तक चले भव्य समारोहों के साथ संपन्न हुई, जिसमें परिवार और करीबी दोस्तों के अलावा कई सेलेब्रिटीज ने भी शिरकत की।

पवन सिंह के शो में मची भगदड़, बेकाबू हालात को संभालने के लिए पुलिस ने बरसाई लाठियां

भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह अक्सर किसी न किसी विवाद को लेकर अक्सर सुखियों में रहते हैं। कभी उनका कोई विवादित वीडियो तो कभी कोई फैमिली संग इश्यू, उन्हें खबरों में बनाए रखता है। वहीं, हाल ही में फिर पवन सिंह खबरों में आ गए हैं और वजह है उनके शो में हुआ हंगामा। हाल में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर महोत्सव में पवन सिंह की एक झलक पाने के लिए

लाखों लोग इकट्ठा हो गए और हालात बेकाबू हो गए। 12 जनवरी की रात गोरखपुर महोत्सव के दूसरे दिन पवन सिंह स्टेज शो के लिए पहुंचे थे। इस दौरान मंच पर उनके साथ एक्टर और सांसद रवि किशन भी मौजूद थे। जैसे ही पवन सिंह की एंट्री हुई, दर्शकों का उत्साह चरम पर पहुंच गया। लोग स्टेज के करीब आने की कोशिश करने लगे, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। कार्यक्रम के दौरान पवन सिंह के जन्मदिन का केक भी काटा गया, लेकिन इसी दौरान भीड़ पूरी तरह बेकाबू हो गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को मजबूरन लाठीचार्ज करना पड़ा। लाठीचार्ज के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। भगदड़ जैसी स्थिति बन गई, जिसमें कई लोग एक-दूसरे पर गिरते नजर आए। वायरल हो रहे वीडियो में टूटी हुई कुर्सियां और अस्त-व्यस्त व्यवस्था साफ देखी जा सकती है। बताया जा रहा है कि इस भगदड़ में महिलाओं और बच्चों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। गोरखपुर महोत्सव के इस पूरे घटनाक्रम के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। फैंस जहां एक ओर पवन सिंह की लोकप्रियता की तारीफ कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर सवाल भी उठा रहे हैं। कई यूजर्स का कहना है कि इतनी बड़ी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा इंतजाम और मजबूत होने चाहिए थे। काम की बात करें तो पवन सिंह हाल ही में नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहे द ग्रेट इंडियन कपिल शो में भी नजर आए थे। इस शो में वह मनोज तिवारी और दिनेश लाल यादव निरहुआ के साथ पहुंचे थे। शो के दौरान तीनों कलाकारों की मजेदार बातचीत और मस्ती ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था।

अम्मा के खौफ से सिहराए दर्शक, मदार्नी 3 में मल्लिका प्रसाद की खतरनाक एंट्री

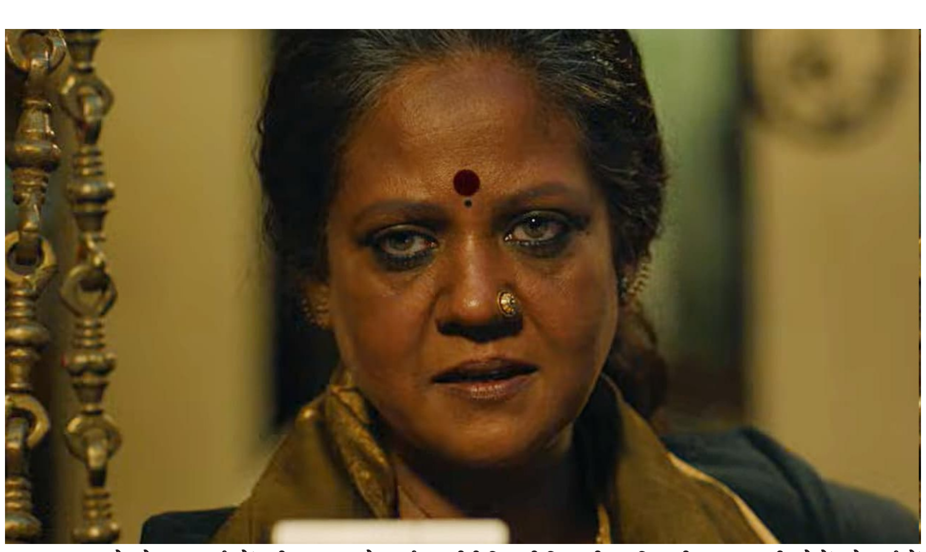

अम्मा को लेकर दर्शकों की जिज्ञासा और उत्साह से अभिभूत हूँ, मदार्नी 3 की खौफनाक विलेन मल्लिका प्रसादयश राज फिल्म्स ने हाल ही में मदार्नी 3 का ट्रेलर रिलीज किया और रिलीज के साथ ही यह सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बन गया। जहां एक ओर दर्शक एसीपी शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में रानी मुखर्जी की दमदार वापसी को लेकर उत्साहित हैं, वहीं दूसरी ओर फिल्म की नई और भयावह विलेन अम्मा ने दर्शकों को गहरे स्तर पर झकझोर दिया है। इस किरदार को अभिनेत्री मल्लिका प्रसाद ने निभाया है, जिनकी सशक्त स्क्रीन प्रेजेंस ने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी है। मदार्नी फ्रैंचाइजी हमेशा से अपने सशक्त सामाजिक विषयों और यादगार खलनायकों के लिए जानी जाती रही है। मदार्नी 3 में भी यह परंपरा बरकरार है। ट्रेलर रिलीज के बाद बीते 24 घंटों में सोशल मीडिया पर अम्मा को लेकर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। डर, नफरत और असहजताकृदर्शकों की भावनाएं खुलकर सामने आ रही हैं। खास तौर पर मल्लिका प्रसाद द्वारा निभाए गए इस किरदार की तीव्रता, क्रूरता और मनोवैज्ञानिक गहराई की जमकर सराहना की जा रही है। फिल्म में अम्मा एक खतरनाक मानव तस्करी रैकेट की मास्टरमाइंड है, जो एसीपी शिवानी शिवाजी रॉय के साथ एक भीषण टकराव की नींव रखती है। दर्शकों का मानना है कि अम्मा का यह कच्चा और असहज कर देने वाला चित्रण फ्रैंचाइजी को एक नई, और भी ज्यादा सिहरन पैदा करने वाली दिशा में ले जाता है।मदार्नी 3 मेरे करियर के सबसे निर्णायक अनुभवों में से एक है। अम्मा एक बुरी इंसान है, लेकिन उसके भीतर एक उग्र और जटिल आत्मा है। इस किरदार को जीवंत करना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही। ऐसे रोल आपको अपनी सुविधाओं से बाहर निकलने, अपने भीतर के अंधेरे का सामना करने और खुद के साथ पूरी ईमानदारी से खड़े होने के लिए मजबूर करते हैं।अम्मा ने मुझे उन तरीकों से चुनौती दी, जिनकी मैंने कभी कल्पना नहीं की थी। मैंने इस पूरी प्रक्रिया का भरपूर आनंद लिया और इस अवसर के लिए मैं बेहद आभारी हूं। अभिराज का दिल से धन्यवाद,उनके भरोसे, सौम्य स्वभाव और अडिग विजन के लिए। यश राज फिल्म्स और आदित्य चोपड़ा सर की मैं गहराई से आभारी हूं, जिनके विश्वास ने मुझे अम्मा जैसे जटिल किरदार को पूरी स्वतंत्रता के साथ गढ़ने का मौका दिया। शानू शर्मा का भी विशेष धन्यवाद, जो मेरे इस सफर का अहम हिस्सा हैं।पूरी कास्ट और क्रू असाधारण प्रतिभा, अनुशासन और समर्पण से भरी हुई है। उनके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। सेट पर हर दिन जाना एक सुखद अनुभव था। मदार्नी फ्रैंचाइजी असहज सच्चाइयों का सामना करने और जरूरी संवाद शुरू करने की एक सशक्त विरासत रखती है, और उस यात्रा का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है।शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में रानी मुखर्जी एक बार फिर शानदार हैं। वह उन असली महिलाओं की कहानियों को सामने लाती हैं, जो अकल्पनीय अपराधों से लड़ रही हैं। उन्हीं अनसुनी नायिकाओं की वजह से मैं अम्मा के अंधेरे को पूरी सच्चाई के साथ टटोल पाई हूं।मैं आभारी हूं कि अम्मा का किरदार मुझे उस जटिल महिला की परतों को समझने का मौका देता है, जो समाज के अंधेरे अंडरबेली में रहती है। मुझे खुशी है कि स्क्रिप्ट और अभिराज ने इस कहानी को आसान काले-सफेद नजरिए से दूर रखा और अम्मा को गहराई और आयाम दिए। ट्रेलर को मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स मेरे लिए अभिभूत कर देने वाला है। दर्शकों की जिज्ञासा और उत्साह मुझे विनम्र बनाता है। मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि दर्शक अम्मा की दुनिया में कदम रखेंकृक्योंकि वह जैसी दिखती है।

संगम तट पर बसाई गई आधुनिक टेंट कॉलोनी

लखनऊ (संवाददाता)। मकर संक्रांति सहित प्रमुख स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए संगम तट पर आधुनिक सुविधा युक्त टेंट सिटी बसाई गई है। संगम की पुण्य धारा में डुबकी लगाने देश-दुनिया से श्रद्धालुओं का निरंतर आगमन हो रहा है। आगंतुकों को सुरक्षित और यादगार अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम यूपीएसटीडीसी द्वारा संगम तट की रेत पर आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित टेंट कॉलोनी बसाई गई है, जो कल्पवासियों और पर्यटकों के लिए आस्था के साथ आकर्षण का नया केंद्र बनकर उभरी है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया, प्रयागराज के अरैल सेक्टर 7 में त्रिवेणी पुष्प से पहले विकसित टेंट कॉलोनी में 50 अत्याधुनिक कॉटेज बनाए गए हैं, जिनकी ऑनलाइन बुकिंग यूपीएसटीडीसी कीवेबसाइट की जा सकती है। टेंट कॉलोनी को तीनश्रेणियों में बांटा गया है, जिसमें 15 हजार रुपए किराए वाला प्रीमियम, 11 हजार 500 रुपए का लग्जरी और 7 हजार 500 रुपए का डीलक्स कॉटेज शामिल है। 12 प्रीमियम, 8 लग्जरी और 30 डीलक्स टेंट हैं जिनमें श्रद्धालुओं के लिए उसी शुल्क में सात्विक भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है।

अमेरिका-रूस संबंधों में बढ़ी तल्खी

यूक्रेन को लेकर सुरक्षा परिषद में भिड़े दोनों देश; यूएस ने दी चेतावनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। बीते दिनों यूक्रेन युद्ध रुकवाने के लिए अमेरिका और रूस में आपसी सहमति बनती दिख रही थी, लेकिन अब स्थिति ये है कि दोनों देशों के संबंधों में फिर से तल्खी बढ़नी शुरू हो गई है। सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका ने रूस पर यूक्रेन में खतरनाक तरीके से युद्ध बढ़ाने का आरोप लगाया। जिस पर रूस ने भी पलटवार किया। अमेरिका द्वारा रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन ट्रंप की कोशिशों के बावजूद अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। इस बीच रूस और अमेरिका के संबंधों में तल्खी बढ़ती दिख रही है। अब अमेरिका ने आरोप लगाया है कि रूस, यूक्रेन में खतरनाक और समझ से परे तरीके से युद्ध बढ़ा रहा है। अमेरिका की संयुक्त राष्ट्र में डिप्टी एंबेसडर टैमी ब्रूस ने सोमवार को सुरक्षा परिषद की बैठक में रूस की कड़ी निंदा की। साथ ही यूक्रेन में बड़ी संख्या में मर रहे लोगों को लेकर भी चिंता जताई। रूस के बैलिस्टिक मिसाइल हमले पर अमेरिका ने जताई चिंता रूस ने पिछले गुरुवार रात यूक्रेन पर सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलों से बमबारी की थी। जिसमें शक्तिशाली, नई हाइपरसोनिक ओरेश्निक मिसाइल भी शामिल थी, जिसका इस्तेमाल मॉस्को ने दूसरी बार किया था, जो कीव के नाटो सहयोगियों के लिए एक स्पष्ट चेतावनी थी। इस बड़े हमले के बाद यूक्रेन ने सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाई थी। सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिकी उप-राजदूत टैमी ब्रूस ने खास तौर पर परमाणु क्षमता वाली ओरेश्निक बैलिस्टिक मिसाइल के इस्तेमाल पर गहरी चिंता जाहिर की। रूस की कार्रवाई से युद्ध तेज होने का खतरा रूस का यह हमला ऐसे समय हुआ, जब शांति वार्ता पर सहमति नहीं बनने के बाद यूक्रेन द्वारा पश्चिमी देशों को रूस के खिलाफ लामबंद करने की कोशिश की जा रही है। टैमी ब्रूस ने कहा, 'अभूतपूर्व संभावनाओं के इस समय में, जो केवल राष्ट्रपति ट्रंप की दुनिया भर में शांति के प्रति अद्वितीय प्रतिबद्धता के कारण है, दोनों पक्षों को तनाव कम करने के तरीके खोजने चाहिए फिर भी रूस की कार्रवाई से युद्ध के विस्तार और तेज होने का खतरा है।' रूस ने भी दिया कड़ा जवाब रूस के यूएन में राजदूत वसीली नेबेंजिया ने सुरक्षा परिषद से कड़े शब्दों में कहा कि जब तक यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की होश में नहीं आते और बातचीत के लिए असली शर्तों पर सहमत नहीं होते, तब तक हम सैन्य तरीकों से समस्या का समाधान करते रहेंगे नेबेंजिया ने कहा, 'उन्हें (जेलेंस्की) बहुत पहले ही चेतावनी दी गई थी, हर गुजरते दिन के साथ, बातचीत की शर्तें उनके लिए और खराब होती जाएंगी। इसी तरह, रूसी नागरिकों पर हर बुरे हमले का कड़ा जवाब दिया जाएगा।' इससे पहले अमेरिका द्वारा उत्तरी अटलांटिक में एक तेल टैंकर पर कब्जा किया गया, जिस पर रूस ने कड़ी आपत्ति जताई थी।

ईरान ने अंतरराष्ट्रीय कॉल्स पर लगा प्रतिबंध हटाया लेकिन इंटरनेट बैन जारी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में विरोध प्रदर्शन जारी हैं और वहां 600 से ज्यादा लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। इस बीच एक चौंकाने वाले कदम

के तौर पर ईरान की सरकार ने अंतरराष्ट्रीय कॉल्स पर लगा प्रतिबंध हटा दिया है। ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं, लेकिन ईरानी सरकार ने इस बीच एक अप्रत्याशित कदम उठाया है और अंतरराष्ट्रीय कॉल्स पर लगा प्रतिबंध हटा दिया है। हालांकि इंटरनेट पर अभी भी पूरी तरह से प्रतिबंध लगा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स ने ये दावा किया है। एपी की रिपोर्ट्स के अनुसार, मंगलवार को उनके विभिन्न कार्यालयों को ईरान से फोन आए। बताया गया कि ईरान के लोगों ने एपी के दुबई ब्यूरो को कॉल कर हालात की जानकारी दी। इससे पहले ईरान के लोग ऐसा नहीं कर पा रहे थे। हालांकि इंटरनेट द्वारा ईरान का अभी भी दुनिया से संपर्क कटा हुआ है। ईरान की सरकार का फैसला चौंकाने वाला ईरान का यह फैसला बेहद चौंकाने वाला है क्योंकि अभी भी ईरान में विरोध प्रदर्शन चरम पर हैं। 28 दिसंबर को शुरू हुए इन विरोध प्रदर्शन में अभी तक 600 से ज्यादा लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। अमेरिका स्थित ूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी (ლफ्अठअ) के मुताबिक पूरे देश में फैले इस आंदोलन में कम से कम 646 लोगों की जान जा चुकी है और इस संख्या के और बढ़ने की आशंका है। 9 जनवरी से इंटरनेट और टेलीफोन सेवा पर थी पाबंदी ईरान में 7 जनवरी के बाद हालात अचानक बदल गए और विरोध प्रदर्शन तेज हो गए। निर्वासित युवराज रजा पहलवी की प्रदर्शनकारियों से अपील के बाद ईरान में हिंसा भड़क गई। जिसके बाद ईरान प्रशासन ने 9 जनवरी को इंटरनेट और टेलीफोन सेना पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी। अमेरिका ने ईरान पर कसा शिकंजा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर कहा, 'ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश को तत्काल प्रभाव से अमेरिका के साथ किए जाने वाले सभी प्रकार के व्यापार पर 25 प्रतिशत का टैरिफ देना होगा।' डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आदेश को अंतिम और निर्णायक बताया।

आलू के दाम धड़ाम, लागत भी नहीं निकल पा रही

किसानों की परेशानी इस वजह से बढ़ी, जानें दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंडियों में आलू की मांग के मुकाबले ज्यादा आवक होने के कारण ही कीमतों पर दबाव बना हुआ है। इस वजह से दाम लगातार गिर रहे हैं। मंडी में आलू की मांग रोजाना 90 से 100 गाड़ियों की है, जबकि आवक 130 से 140 गाड़ियों तक पहुंच रही है। कारोबारियों का कहना है कि, आलू के दाम इस कदर टूट चुके हैं कि किसानों की लागत भी नहीं निकल पा रही है। सीजन की शुरूआत होते ही आलू किसानों की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। देश के अलग अलग राज्यों की मंडियों में आलू के दाम तेजी से टूट रहे हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि मौजूदा भाव किसानों की लागत तक नहीं निकाल पा रहे हैं। कई राज्यों में आलू के रेट इतने गिर चुकी हैं कि किसानों के लिए फसल बेचने का भी कोई मतलब नहीं रह गया है। मजबूरी में कुछ किसान अपनी उपज सड़कों पर फेंकने को विवश हो रहे हैं, जिससे खेतों से मंडी तक का पूरा सिस्टम सवालों के घेरे में आ गया है। आलू के दामों में आई गिरावट के पीछे जानकार कई वजह बता रहे है। इनमें सबसे बड़ी वजह पिछले साल का भारी स्टॉक अब भी बड़ी मात्रा में कोल्ड स्टोरेज में जमा होना है। इस वजह से बाजार में सप्लाई ज्यादा बनी हुई है। जबकि दूसरी तरफ अच्छे मौसम के चलते इस आलू की बंपर पैदावार होने की उम्मीद है। हालांकि कारोबारियों का कहना है कि ज्यादा आवक के कारण फिलहाल

कीमतों पर दबाव रहेगा और इस महीने दामों में नरमी बनी रह सकती है। लेकिन आने वाले दिनों में रेट में अंतर दिखेगा। देश की प्रमुख आलू मंडियों में कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इनमें सबसे बड़े उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश की आगरा मंडी में बीते एक महीने में आलू के थोक दाम 900 से 1250 रुपये प्रति क्विंटल से फिसलकर 500 से 650 रुपये रह गए हैं। जबकि देश के दूसरे बड़े उत्पादक राज्य पश्चिम बंगाल की कोलकाता मंडी में भाव 1500 से 1550 रुपये से घटकर 1100 से 1200 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गए हैं। मध्य प्रदेश की इंदौर मंडी में आलू के दाम 500 से 1400 रुपये से गिरकर 300 से 900 रुपये हो गए हैं। राजधानी दिल्ली की मंडियों में भी कीमत 800 से 1400 रुपये से घटकर 300 से 900 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गई हैं। रोज मंडियों में आ रही 140 से ज्यादा गाड़ियां आजादपुर मंडी के कारोबारियों का कहना है कि, आलू की मांग के मुकाबले ज्यादा आवक होने के कारण ही कीमतों पर दबाव बना हुआ है और दाम लगातार गिर रहे हैं। मंडी में आलू की मांग रोजाना 90 से 100 गाड़ियों की है, जबकि आवक 130 से 140 गाड़ियों तक पहुंच रही है। उनका कहना है कि, आलू के दाम इस कदर टूट चुके हैं कि किसानों की लागत भी नहीं निकल पा रही है। फिलहाल किसानों को आलू के सिर्फ 5 से 6 रुपये प्रति किलो तक ही भाव मिल रहे हैं, जबकि इसकी उत्पादन लागत 8 रुपये प्रति किलो से ज्यादा बैठती है। किसानों को गेहूं की बुआई के लिए खेत खाली करना जरूरी था, इसलिए मजबूरी में उन्हें कम दाम पर ही आलू निकालना पड़ा है। जानकारों के मुताबिक, कई राज्यों में 30 नवंबर तक कोल्ड स्टोरेज खाली हो जाने चाहिए थे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। दिसंबर में पुराना आलू खराब होने के डर से बड़ी मात्रा में बाजार में उतार दिया गया। इसी दौरान नए आलू की आवक भी शुरू हो गई। इसलिए बाजार में सप्लाई बढ़ने से आलू के दामों में तेजी दिखाई दे रही है।

ठाणे में रिश्वतखोरी का खुलासा, चावल व्यापारी से रिश्वत लेते हुए सरकारी अफसर समेत तीन गिरफ्तार

ठाणे (एजेंसी)। ठाणे में एक चावल व्यापारी को पुलिस केस से बचाने के नाम पर रिश्वत लेने वाले डिप्टी कमिश्नर (सप्लाई) और उनके दो साथियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने 'गुड लक' मनी और हर महीने हफ्ता भी मांगा था। अऊइ ने नवी मुंबई के एक होटल में जाल बिछाकर आरोपियों को रंगे हाथों दबोच लिया। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने एक बड़ी कार्रवाई की है। मामले में एसीबी ने एक चावल व्यापारी से पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और उसके दो

साथियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अधिकारी की पहचान अनिल सुधाकर टक्साले के नाम से हुई है। उसकी उम्र 55 साल बताई जा रही है, जो कोंकण डिवीजन में डिप्टी कमिश्नर (सप्लाई) के पद पर तैनात हैं। क्या था मामला? अधिकारियों ने बताया कि 30 दिसंबर, 2025 को भिवंडी में एक छापे के दौरान अनाज का अवैध स्टॉक मिला था। इस मामले में एक चावल व्यापारी और उसके बिजनेस पार्टनर के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। आरोप है कि डिप्टी कमिश्नर टक्साले ने इस मामले में मदद करने के बदले रिश्वत मांगी थी। 'गुड लक' मनी के नाम पर वसूली ठाणे एसीबी के इंस्पेक्टर सचिन मोरे ने कहा, टक्साले ने कथित तौर पर चल रहे मामले में मदद करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि उनके भविष्य के बिजनेस ऑपरेशन बिना पुलिस दखल के चलें, 'गुड लक' मनी के तौर पर 5 लाख रुपये मांगे थे।

'ड्रोन से सावधान रहें', ईरान में तनाव के बीच अमेरिकी सांसद की खामेनेई को धमकी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को कड़ी चेतावनी दी है। अमेरिकी सांसद की यह टिप्पणी खामेनेई के उस बयान के बाद आई है, जिसमें ईरानी नेता ने अमेरिकी नेताओं को हिंसा भड़काने के खिलाफ चेतावनी दी थी। ईरान में भारी तनाव जारी है। ईरानी शासन के खिलाफ राजधानी तेहरान सहित देशभर में उग्र विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इसी बीच एक बार फिर अमेरिकी सीनेटर (सांसद) लिंडसे ग्राहम ने सुप्रीम लीडर अयातुल्ला

अली खामेनेई को धमकी दी है। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि ट्रंप खामेनेई को मार डालेंगे। वहीं अब उन्होंने खामेनेई को ड्रोन की धमकी दे डाली है। ईरान में अब तक 600 से अधिक मौत ईरान में 17 दिनों से भारी हिंसक विरोध प्रदर्शन जारी है। अब तक 646 लोगों की इस आंदोलन में जा चुकी है। ईरान से अपने नागरिकों को तुरंत निकलने के अमेरिकी आदेश के बीच अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने अपनी नई टिप्पणी से सनसनी मचा दी है। दरअसल, एक इंटरव्यू के दौरान लिंडसे ग्राहम ने कड़ी चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी ईरान के उन बयानों के जवाब में दी गई है, जिनमें अमेरिकी राजनेताओं को शत्रुतापूर्ण कार्रवाई करने के खिलाफ चेताया था। दरअसल, देशव्यापी सरकार विरोधी प्रदर्शनों को तेहरान ने 'विदेशी समर्थित' करार दिया है। ऐसे में एक्स पर एक पोस्ट में सांसद ग्राहम ने व्यंग्यात्मक और चुनौतीपूर्ण लहजे को अपनाते हुए सीधे खामेनेई पर वार किया। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'अयातुल्ला को: हम पहले की तरह ज्यादा बात नहीं करते।

'ईरान में महिलाओं की स्वतंत्रता पर संकट', नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला युसुफजई ने जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला युसुफजई ने ईरान में महिलाओं की घटती स्वतंत्रता पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि दशकों से चली आ रही राज्य-प्रायोजित पाबंदियां शिक्षा से आगे बढ़कर सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन तक फैल चुकी हैं। उनके अनुसार, जारी विरोध-प्रदर्शन इन्हीं व्यापक प्रतिबंधों की प्रतिक्रिया हैं। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला युसुफजई ने मंगलवार को ईरान में महिलाओं की घटती स्वतंत्रता पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ईरान में महिलाओं को लंबे समय से सार्वजनिक जीवन के लगभग हर पहलू से बाहर रखा गया है और ये पाबंदियां सिर्फ शिक्षा तक सीमित नहीं हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मलाला ने लिखा कि ईरान में जारी विरोध-प्रदर्शन दशकों से चली आ रही राज्य-प्रायोजित पाबंदियों से अलग नहीं किए जा सकते। उन्होंने कहा कि शिक्षा सहित सार्वजनिक जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं की स्वायत्तता सीमित की गई है और ईरानी लड़कियां भी दुनिया भर की लड़कियों की तरह सम्मान और गरिमा से भरा जीवन चाहती हैं। मलाला ने कहा कि ईरान के लोग

वर्षों से इस दमन के खिलाफ चेतावनी देते आ रहे हैं, लेकिन उनकी आवाज को खामोश किया गया। उन्होंने इसे अलगाव, निगरानी और सजा पर आधारित एक व्यापक व्यवस्था का हिस्सा बताया, जो कक्षा से बाहर भी महिलाओं की स्वतंत्रता, पसंद और सुरक्षा को सीमित करती है। उन्होंने जोर दिया कि ईरानी महिलाओं को अपने राजनीतिक भविष्य का फैसला स्वयं करने का अधिकार है और यह प्रक्रिया किसी बाहरी ताकत के हस्तक्षेप से मुक्त होनी चाहिए। ईरानी पत्रकार ने सरकारी कार्रवाई को उजागर किया इस बीच, ईरानी पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता मसीह अलीनेजाद ने विरोध-प्रदर्शनों पर कथित सरकारी कार्रवाई को उजागर किया। उन्होंने कहा कि हजारों लोग मारे गए या घायल हुए हैं, इसके बावजूद ईरान के अलग-अलग शहरों में लोग सड़कों पर उतरकर तानाशाही के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। यही असली बहादुरी है। मानवाधिकार संगठन और व्हाइट हाउस रख रहे नजर मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के कई प्रांतों में बड़े प्रदर्शन हुए। इनमें अजरबैजान प्रांत और केंद्रीय शहर अराक शामिल हैं, जहां लोग झंडे लहराते और नारे लगाते दिखे। सरकारी चैनल प्रेस टीवी ने भी प्रदर्शनों की पुष्टि की है। ये विरोध प्रदर्शन बढ़ती महंगाई, आर्थिक संकट और शासन को लेकर जनता के गुस्से के बीच हो रहे हैं। मानवाधिकार संगठन के अनुसार, अब तक कम से कम 544 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10,681 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हालात पर नजर रखी जा रही है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान से निपटने के लिए सभी विकल्प खुले रखे हुए हैं, जिनमें सैन्य कार्रवाई भी शामिल है, हालांकि उनकी प्राथमिकता कूटनीति बनी हुई है।

बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या, 25 दिन में आठवीं हत्या की वारदात

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में हाल के वर्षों में हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हिंसा और हत्याओं की घटनाएं लगातार चिंता का विषय बनी हुई हैं। देश की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी कम होने के बावजूद वे बार-बार हमलों, लूटपाट, अपहरण और लक्षित हत्याओं का शिकार हो रहे हैं। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की हत्या कर दी गई। फेंगुआ के दागनभुआ में समीर दास (28) को पीट-पीटकर मार डाला गया। आरोपी उसका ऑटो लूटकर फरार हो गए। पुलिस हत्यारों की तलाश कर रही है। पिछले 25 दिन में बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या का यह आठवीं वारदात है। पुलिस के मुताबिक, समीर दागनभुआ के मातुभुइया संघ के रामानंदपुर गांव का रहने वाला था और लंबे समय से बैटरी ऑटो

रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण कर रहा था। परिजनों ने बताया कि रविवार रात जब समीर समय पर घर नहीं लौटा, तो परिवार वालों ने उसकी तलाश शुरू की। बाद में पुलिस को सूचित किया गया। रात करीब दो बजे लोगों ने दक्षिण करीमपुर मुहुरी बाड़ी के पास समीर का लहूलुहान शव देखा। साजिश के तहत की वारदात पुलिस ने बताया कि हत्या को साजिशन अंजाम दिया गया। थाना प्रभारी फैयाजुल अजीम नोमान ने बताया, परिजनों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की पहचान की कोशिश की जा रही है। 11 जनवरी की शाम को हुई हत्या पुलिस और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक दागनभुआ इलाके में समीर कुमार दास की हत्या की घटना 11 जनवरी की शाम की है। समीर कुमार दास, कार्तिक कुमार दास और रीना रानी दास के सबसे बड़े बेटे थे। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए फेनी जनरल अस्पताल भेजा।

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला; ड्रोन और मिसाइलों से पावर ग्रिड किया तबाह

चार की मौत

कीव (एजेंसी)। रूस ने यूक्रेन पर एक बार फिर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करते हुए पावर ग्रिड को निशाना बनाया है। इस हमले के चलते कड़ाके की ठंड में लाखों लोग बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं। शांति प्रयासों के बीच रूसी हमले को लेकर अमेरिका ने प्रतिक्रिया देते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लगभग चार साल का समय पूरा होने वाला है, लेकिन अब तक शांति समझौते पर कोई बात नहीं बनी है। इस युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिका समेत कई देशों के प्रयासों के बीच दोनों देशों का संघर्ष और भी गहराता जा रहा है। मामले में रूस ने चार दिनों के भीतर यूक्रेन पर दूसरा बड़ा हमला किया है। मंगलवार को अधिकारियों ने बताया कि

रूस ने एक बार फिर यूक्रेन के पावर ग्रिड को निशाना बनाया है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका शांति की कोशिशें कर रहा है, लेकिन रूस ने इन कोशिशों को नजरअंदाज करते हुए हमले तेज कर दिए हैं। ड्रोन और मिसाइलों की बौछार इसको लेकर यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने रात भर में आठ क्षेत्रों पर करीब 300 ड्रोन, 18 बैलिस्टिक मिसाइलें और सात क्रूज मिसाइलें दागीं। जेलेंस्की ने कहा कि उत्तर-पूर्वी खार्किव क्षेत्र में एक मेल डिपो पर हुए हमले में चार लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। राजधानी कीव में कड़ाके की ठंड (-12 डिग्री सेल्सियस) के बीच लाखों घरों की बिजली गुल हो गई है। पूरा शहर जनरेटर के शोर से गूंज रहा है। इससे चार दिन पहले रूस ने रातभर में सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलें दागी थीं। इस हमले में उसने शक्तिशाली हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया, जो युद्ध में केवल दूसरी बार था। माना जा रहा कि यह हमला कीव के नाटो सहयोगियों के लिए एक चेतावनी थी कि रूस पीछे नहीं हटेगा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044
Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08
Mobile No: 7007837917
मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।